हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 6 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

10 नायब सरकार ईमानदारी के साथ कर रही काम : कृष्ण

10 राजस्थान के खाटू धाम और सालासर धाम के लिए ....

खबर संक्षेप

कैंटर की टक्कर से बाइक सवार घायल

जींद। गांव नगूरां में कैंटर की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। अलेवा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव नगूरां निवासी रामफल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाइक पर घर की तरफ लौट रहा था। गांव के निकट ही तेजरफ्तार कर कैंटर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

घर से सामान चोरी के मामले में आरोपी काबू

कैथल। घर में सेंधमारी कर सामान चोरी के मामले की जांच थाना गुहला पुलिस के एचसी शिवकुमार की टीम द्वारा करते आरोपी साढ माजरा जिला पटियाला पंजाब निवासी पवन कुमार को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गुहला निवासी राजपाल की शिकायत अनुसार 23 जून को वह किसी काम से बाहर गए थे।

रास्ता रोक मारपीट करने पर दो नामजद

जींद। गांव छात्तर में कहासुनी के चलते हमला कर घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव छात्तर निवासी नरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के ही सुरेश से कहासुनी हो गई थी। जब वह घर लौट रहा था तो रास्ते में सुरेश तथा विरेंद्र ने उस पर हमला कर दिया। जिसमें उसे काफी चोटें आई।

ट्राला की चपेट में आने से गाड़ी चालक की मौत

कैथल। जिले के गांव धनोरी में ट्राला की चपेट में आने से एक गाडी चालक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा उसके परिजनों को सौंप दिया। गांव मंगलपुर के पवन कुमार ने सदर पुलिस कैथल को दी शिकायत में बताया कि 4 जुलाई को जब उसका भाई प्रदीप अपनी गाड़ी में सवार होकर गांव धनोरी के निकट से गुजर रहा था।

रंजिशन हमला करने पर पांच के खिलाफ केस दर्ज

जींद। उचाना मंडी में रंजिशन हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उचाना थाना मंडी निवासी सूरजमल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव करसिधु निवासी रवि के साथ कहासुनी हो गई थी।

मकान से चोरी करने के आरोप में एक नामजद

कैथल। चीका पुलिस ने मकान से सामान चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पटियाला रोड चीका के गुरविंदर सिंह ने चीका पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 4 जुलाई को अरुण नामक व्यक्ति ने उनके घर में घुसकर सीवरेज का ढक्कन, रसोई के सामान चुरा लिया। चुराए गए सामान की कीमत करीब 6000 बताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला का तकिये से दबाया मुंह, केस दर्ज

जींद। गांव सिंघाना में रात को घर में घुस महिला का तकिये से मुंह दबाने पर पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सिंघाना निवासी महिला ने शिकायत में बताया बीती रात पड़ोसी जोनी उसके घर में घुस आया। जब बैड से उठने की कोशिश की तो आरोपित ने उसका मुंह तकिये से दबा दिया।

मकान से लाखों रुपये की नकदी व जेवर चोरी

कैथल। जिले के गांव भागल से चोर एक मकान में घुसकर वहां पर रखे चार लाख रुपए तथा सोने में चांदी के जेवरात चुरा कर ले गए। गांव भागल के शिवकुमार ने चीका पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने परिवार के साथ 19 जून को किसी काम से घर से बाहर गया था।

पलवल के बाद अब रेवाड़ी से आई 10 जर्जर बसें

कंडम बसों की शरणास्थली बनकर रह गया कैथल का डिपो नई के स्थान पर अब तक आ चुकी 70 जर्जर सरकारी बसें

नरेश पंवार ▶▶| कैथल

हरियाणा राज्य परिवहन कैथल को यदि कंडम व जर्जर बसों की शरणस्थली कहा जाए तो कोई गलत नहीं होगा। यहां पर विभाग द्वारा नई बस देने के नाम पर एक के बाद एक दूसरे डिपो से जर्जर व कंडम बस भिजवाई जा रही हैं। इन बसों की हालत इतनी खस्ता है कि इनका पता नहीं कहां बंद हो जाएं। इनमें यात्रा करना खतरे से खाली नहीं होगा। विभाग द्वारा शनिवार को पलवल के बाद रेवाड़ी से भी 10 जर्जर बसें कैथल डिपो में पहुंची है। इन बसों की हालत इतनी खराब है कि यह रूट पर दौड़ाने लायक नहीं है। इन बसों के शीशे टूटे हुए है और सीटें भी पूरी तरह से फटी हुई है।

समस्या कम होने की बजाय लगातार बढ़ रही

पिछले साल नवंबर में बढ़ रहे वायु प्रदूषण को रोकने के लिए प्रदेश के एनसीआर में आने वाले जिलों में बैप लागू किया गया था। इसके बाद बीएस-तीन और चार तकनीक की बसों का संचालन बंद किया गया था। इसके बाद एनसीआर में आने वाले जिलों से दूसरे जिलों में बसों को भेजने की प्रक्रिया शुरू की थी। इस प्रक्रिया के तहत अब तक कैथल डिपो के बेड़े में पिछले आठ महीने में 70 जर्जर बसें शामिल हो चुकी हैं। जबकि 48 बीएस-छह तकनीक की बसें एनसीआर जिलों में भेजी जा चुकी है। इन जर्जर बसों के आने के बाद डिपो के बेड़े में बसों की संख्या तो 200 पार कर 202 हो चुकी है। परंतु इस बसों के लगातार खराब रहने के कारण रूट पर समस्या कम होने की बजाय लगातार बढ़ रही है।

यात्रियों की बढ़ रही परेशानी: कैथल डिपो में लगातार आ रही जर्जर बसों से यात्रियों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। सरकार को चाहिए तो यह था कि कैथल डिपों में बसों की संख्या बढ़ाने के लिए नई बसें भेजे, लेकिन स्थिति इसे उलट हो चुकी है। सरकार कैथल के साथ एक सौतेला व्यवहार कर रही है। सरकार से मांग है यात्रियों को रोडवेज कर्मियों की सुरक्षा के लिहाज से भी पुरानी की बजाय नई बसों को शामिल करें। - संदीप खटकड़ कैथल डिपो प्रधान हरियाणा रोडवेज जागृति मंच।

बसों के शीशे टूट चुके सीट पूरी तरह से फटी पड़ी

कैथल। कैथल पहुंची जर्जर बसें। फोटो :हरिभूमि

बसें खराब होने की समस्या अधिक

एनसीआर जिलों से आ रही जर्जर बसों में सबसे अधिक समस्या लगातार खराब होना है। इसमें सबसे अधिक ब्रेकडाउन की समस्या रहती है। बीच रास्ते में बसों के बंद होने से परिचालकों और चालकों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरकार को इस समस्या पर ध्यान देने की जरूरत है। *सुनील कुमार अलेवा, परिचालक*

यात्रियों की सुविधा के अनुसार बसों में मरम्मत का काम होगा

ऐसा नहीं है एनसीआर जिलों से आ रही सभी बसें खराब हैं। जिन बसों में कुछ कमियां होती है तो उन्हें समय-समय पर दूर कर लिया जाता है। रास्ते में ब्रेकडाउन की समस्या अधिक नहीं है। यात्रियों की सुविधा के अनुसार बसों में मरम्मत का काम करवाया जाता है। *कमलजीत सिंह, जीएम कैथल।*

परिजनों ने सीएमओ आवास के निकट खड़े होकर नारेबाजी की

प्रसव के लिए आई महिला को खानपुर किया रेफर, रोष जताने पर किया भर्ती

महिला को खतरे का हवाला देकर कर दिया था रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में प्रसव के लिए आई महिला की उस समय जान पर बन आई जब उसे गंभीर बता कर खानपुर रेफर किया जाने लगा। प्रसव के लिए आई महिला के परिजनों ने इसे लेकर रोष जताया और सीएमओ आवास के सम्मुख जाकर रोष जताने लगे। मामले का जैसे ही स्वास्थ्य अधिकारियों को पता चला तो उन्होंने महिला को फिर से अस्पताल में ही एडमिट कर लिया। नागरिक अस्पताल की इस प्रणाली पर रोष जताया और चिकित्सकीय कार्यप्रणाली में सुधार लाए जाने की मांग की। यह है मामलाः नरवाना के बेलरखां गांव से सोनिका को उसका पति शशिकांत तीन जुलाई को जींद के नागरिक अस्पताल में प्रसव के लिए लाया था। तब चिकित्सकों ने उसे पांच दिन बाद यानि सोमवार को आने को कहा था। शनिवार को सोनिका की अचानक से तबीयत खराब होने से सुबह ही अस्पताल में आ गए व चिकित्सकों ने सोनिका को एडमिट कर लिया। शनिवार दोपहर बाद तीन बजे के बाद खतरे का हवाला देते सोनिका को खानपुर रेफर कर दिया गया। जिसका महिला के परिजनों ने विरोध किया। सीएमओ आवास पहुंच जताया रोष सोनिका को रेफर किए जाने पर परिजन बिफर गए और सीएमओ डा. सुमन कोहली के आवास के बाहर रोष जताने लगे। इसी बीच माकपा कायकर्ता भी पहुंचे और कहा कि माकपा इन समस्याओं को पहले भी उजागर कर चुकी है लेकिन स्थिति में कोई सुधार नही किया गया है। माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य रमेश व जिला सचिव कपूर सिंह ने कहा कि जींद नागरिक अस्पताल की हो रही दुर्दशा सबको पता है। एक तरफ अस्पताल में डाक्टर समेत पैरामेडिकल स्टाफ की अनेकों पोस्ट खाली पड़ी हैं। बरसात के मौसम में भी जरूरी दवाइयों का अभाव लगातार बना हुआ है। जच्चा व बच्चा वार्ड में गर्भवती महिलाओं, जिनके डिलीवरी होनी है को दाखिल करके शाम होते-होते उन्हें खतरे में बता कर देर रात रेफर किया जाता है। अभिभावक गर्भवती महिला को बाहर ले जाने की बजाए मजबूरन प्राइवेट अस्पताल में ले जाने को मजबूर होते हैं।

नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, कार्रवाई की मांग

जींद। सोनिका व उसके पति शशिकांत। फोटो :हरिभूमि

मामला बिगड़ता देख तुरंत किया भर्ती

जैसे ही मामला स्वास्थ्य अधिकारियों के संज्ञान में आया तो सोनिका को फिर से अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। हालांकि चिकित्सक कुछ भी कहने से बचते रहे लेकिन हर दिन कोई न कोई नागरिक अस्पताल में चिकित्सकों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते ही रहते हैं। होना तो यह चाहिए कि कार्यशैली में सुधार हो लेकिन कोई ध्यान नही दिया जाता है।

जींद। सिविल सर्जन आवास के बाहर मौजूद महिला और उसके परिजन।

जींद। पुलिस गिरफ्त में हत्यारोपित। फोटो :हरिभूमि

शराब ठेकेदार हत्याकांड का आरोपित गिरफ्तार

- डीजीपी शत्रुजीत कपूर भी पहुंचे थे जींद, ली थी अधिकारियों से अपडेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव खरकरामजी में एक पखवाड़े पहले शराब ठेकेदार की गोलियां मार कर हत्या करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से हत्या में शामिल अन्य लोगों तथा हत्या में प्रयोग किए गए हथियारों के बारे में पूछताछ कर रही है। गांव महमूदपुर सोनीपत निवासी नवीन ने गत 21 जून को सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका दोस्त शराब ठेकेदार गांव खरकरामजी निवासी वीरेंद्र उर्फ बिंद्र गांव में ही शराब ठेके पर था। उसी दौरान कुछ युवक आए और वीरेंद्र पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। नागरिक अस्पताल में लाए जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नवीन ने आरोप लगाया था कि वीरेंद्र हत्या में जेल में बंद गांव नगूरां निवासी राकेश उर्फ मिढा, गांव साहनपुर निवासी दीपेंद्र राठी, गांव खरकरामजी निवासी अजय उर्फ निलिमा के इशारे पर की गई है। गांव सहानपुर निवासी कमल उर्फ कमली, गांव हाट निवासी कर्मपाल तथा 3 अन्य ने वारदात को अंजाम दिया है। जो की स्विफ्ट में सवार हो कर आए थे। वीरेंद्र हत्याकांड में गांव खरकरामजी निवासी सुमित, सोनू, अनिल व कुछ अन्य ने रेकी कर हमलावरों को सूचना दी है। पुलिस ने नवीन की शिकायत पर राकेश उर्फ मिढा, दीपेंद्र राठी, अजय उर्फ निलिमा, कमल उर्फ कमली, कर्मपाल समेत आठ को नामजद कर अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया था।

पूंडरी चौक पर दलदल में धंसा ट्रक, लगा जाम

राजौंद। नगर के पूंडरी चौक पर सीवरेज निर्माण के लिए की गई खुदाई के चलते दलदल मे आए दिन वाहनों का धंसना एक आम बात बन चुकी है। वैसे पुरे राजौंद नगर के सभी मार्ग उखाड़े हुए है जहाँ धूल भरा वातावरण हर नगरवासी व राहगीर के लिए मुसीबत बना हुआ है । इसी बीच एक दो दिन मे भारी वाहन धंसा हुआ नजर आ ही जाता है। शनिवार को भी इसी दलदल मे पुण्डरी चौक से निकलते वक़्त तारकॉल से भरा कंटेंनर चौक पर ही धंस गया। कंटेंनर चालक रामचंद्र ने बताया की वो पानीपत से तारकॉल का कंटेंनर लेकर ढांड जा रहा था लेकिन राजौंद पुण्डरी चौक पर आते ही दलदल की वजह से से कंटेंनर चौक पर ही धंस गया। चालक ने बताया की अपने स्तर पर भी उसने जी तोड़ प्रयास किया ताकि कंटेंनर निकल सके पूरा परिश्रम विफल ही रहा।

लिंक को क्लिक करना पड़ा मंहगा साढ़े 4 लाख रुपये की राशि गायब

- साइबर थाना पुलिस ने दर्ज किया अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के व्हाट्सअप पर लिंक भेज कर खाते से साढ़े चार लाख रुपये उडा लिए। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अर्बन एस्टेट निवासी रविंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 26 जून को उसके व्हाट्सअप पर लिंक आया। जिस पर उसने लिंक को क्लिक कर दिया। जिसके बाद उसका फोन हैक हो गया। लिंक भेजने वाले ने उसके खाते से साढ़े चार लाख रुपये की राशि को दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिया। जबकि उसके पास को ओटीपी नही आया। न राशि निकाले या ट्रांसफर का कोई संदेश आया। धोखाधड़ी का उस समय पता चला जब वह बैंक में अपने खाते को जांचने पहुंचा। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने रविंद्र की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वकील से चैन छीनकर बाइक सवार फरार, केस

कैथल। शहर के हूडा सैक्टर 19 स्थित डीसी आवास से महज 300 मीटर दूरी पर स्थित पार्क के पास शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे स्नैचिंग की वारदात हुई। इस घटना में सुबह के समय सैर करने गए बुजर्ग अधिवक्ता के गले से 26 ग्राम सोने की चैन छीनकर दो बदमाश भाग गए। इस घटना में अधिवक्ता आनंद गुप्ता स्नैचिंग का शिकार हुए। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की दी है। इसके बाद पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है। इस पूरी घटना का एक सीसीटीवी भी सामने आया है। बदमाश चैन छीनते ही मौके से भाग गए। पीड़ित ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सेक्टर 19 निवासी 65 वर्षीय एडवोकेट आनंद गुप्ता ने बताया कि वह सुबह छह बजे पार्क में सैर करने के बाद घर की ओर आ रहा था।

जींद। बस अड्डा पर लगी बसें। फोटो :हरिभूमि

जींद से डबवाली के लिए बस सेवा शुरू

जींद। जींद से डबवाली के लिए रोडवेज बस सेवा को फिर से शुरू किया गया है। पिछले एक माह से यह बस सेवा बंद पड़ी थी। दोबारा बस शुरू होने से हिसार, सिरसा समेत कई जिलों के यात्रियों को फायदा होगा। जींद से डबवाली के बीच किराया 270 रुपये रहेगा। बस जींद बस अड्डे से सुबह छह बजे चलेगी। यह बस हांसी, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद होते हुए सवा 11 बजे के करीब डबवाली पहुंचेगी। वहां आधे घंटे के ठहराव के बाद 11 बजकर 45 मिनट पर जींद की तरफ वापसी के लिए निकलेगी और इसी रूट से शाम साढ़े पांच बजे जींद पहुंचेगी। प्रतिदिन का बस का यही शेड्यूल रहेगा। एक माह पहले इस बस को यात्रियों की कमी के कारण बंद कर दिया गया था। अब फिर से यात्रियों द्वारा बस को दोबारा शुरू करने की डिमांड की जा रही थी। जींद बस स्टैंड के ड्यूटी इंस्पेक्टर जसमेर खटकड़ ने बताया कि जींद से डबवाली तक 270 रुपये किराया निर्धारित किया गया और दूरी 239 किलोमीटर है।

सरफाबाद हत्याकांड का आरोपित दबोचा

जींद। सदर थाना सफीदों पुलिस ने लगभग दो माह पहले हमला कर व्यक्ति की हत्या करने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव सरफाबाद निवासी राजेश ने गत आठ मई को सदर थाना सफीदों पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके भाई पवन का कुछ दिन पहले महिला को लेकर राहुल परिवार से विवाद हो गया था। जिसका एसडीएम कोर्ट में केस चल रहा है। उसी रंजिश को लेकर गत आठ मई को उसका भाई पवन खेत से घर वापस आ रहा था। रास्ते में राहुल तथा उसके परिजनों ने पवन को पकड़ लिया और खींच कर अपने पशुओं के बाड़े में ले गए। जहां पर आरोपितों ने उसके लाठी डंडों तथा फावड़े से हत्या कर दी। सदर थाना सफीदों पुलिस ने राजेश की शिकायत पर राहुल, सतीश, सुजल, राजसिंह, रिंकी, राजबाला, पुष्पा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। सदर थाना सफीदों पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित राहुल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

सौगात स्कूल की छात्रा से नारियल तुड़वाकर की मल्टीपर्पज हॉल की शुरुआत

विधायक ने 1.33 करोड़ की लागत से होने वाले तीन प्रमुख विकास कार्यों का शिलान्यास किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

हलका विधायक सतपाल जांबा ने शनिवार को पूंडरी क्षेत्र में 1.33 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले तीन प्रमुख विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम की शुरुआत पूंडरी स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 76 लाख की लागत से बनने वाले मल्टीपर्पज हॉल से की गई, जहां विधायक ने परंपरागत अंदाज में स्कूल की छात्रा से नारियल तुड़वाकर निर्माण कार्य की विधिवत शुरुआत करवाई। इसके अलावा गांव बदनारा में 7 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सरकारी स्कूल में आंगनवाड़ी के कमरे तथा गांव कौल में 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सरकारी अस्पताल में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का शिलान्यास भी किया। विधायक ने कहा कि वे अपने हलके को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुंदरता के क्षेत्र में हरियाणा में अव्वल बनाना चाहते हैं और इसी दिशा में लगातार कार्य हो रहे हैं। हलके के हर गांव में किसी न किसी योजना पर काम जारी है और यह सब प्रदेश सरकार की ग्रामीण विकास के प्रति मजबूत सोच का परिणाम है। प्रिंसिपल धर्म सिंह, सरपंच लाभ सिंह, नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि राकेश गोस्वामी, वाइस चेयरमैन रामप्रसाद, ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजेश बरसाना, अमित सैनी, जगदीश क्वात्रा, हर्ष सेठी, दीपक नंदराजोग, विना सेठी, बलबीर गोलन, डॉ. बलविन्द्र मैहला विधायक के निजी सचिव अरुण गुलाटी विशेष रूप से मौजूद रहे।

पूंडरी। कन्या स्कूल में हाल का शिलान्यास करते विधायक सतपाल जांबा।

जुलाना : दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता की कोथली के लिए तैयार हो रहा घेवर

- 19 जुलाई को जुलाना आ रहे दिल्ली व हरियाणा के सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

कस्बे के वार्ड 10 निवासी गीता और उसकी बेटी काजल घेवर बनाने का काम करते हैं। सूचना पाकर जुलाना विस से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी वार्ड 10 में पहुंचे और गीता द्वारा बनाए गए घेवर को खाया। कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि मां व बेटी द्वारा खास घेवर बनाया जा रहा है। घेवर सिर्फ एक मिठाई ही नही बल्कि हरियाणा की संस्कृति, प्यार और परंपरा का प्रतीक है। सावन के महीने में मायके द्वारा बेटी को दी जाने वाली कोथली में घेवर का अपना ही एक स्थान होता है। 19 जुलाई को दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता उनके पैतृक गांव नंदगढ़ में अपना 51वां जन्मदिन मनाने के लिए पहुंच रही हैं। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कई मंत्री भी शामिल होंगे। उसी दिन दिल्ली की सीएम को कोथली दी जाएगी।

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर हटाने की कहने पर हमला कर किया घायल

जींद। पुराना हांसी रोड पर ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर हुई कहासुनी के चलते व्यक्ति पर हमला कर घायल करने पर शहर थाना पुलिस पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुराना हांसी रोड निवासी सतबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोसी दीपक ने रास्ते में ट्रैक्टर को खड़ा कर दिया। जिसके चलते रास्ता बाधित हो गया था।

संदिग्ध हालात में महिला लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव दुर्जनपुर से महिला के संदिग्ध हालात में गायब होने पर उचाना थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव दुर्जनपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत तीन जुलाई रात को उसकी पत्नी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी पत्नी का कोई सुराग नही लगा।

रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को पूरा करे सरकार

जींद। बस अड्डा पर रिटायर्ड कर्मी संगठन की बैठक बीरभान दुल की अध्यक्षता में हुई। मुख्य एजेंडा रटिायर्ड कर्मचारियों की मांगों जैसे 65, 70 वर्ष के उपरांत 5, 10, 15 % वेतन में वृद्धि देना रहा। इसके साथ ही मेडिकल भत्ता एक हजार से बढ़ा कर तीन हजार करने, फैमिली पैंशनर को एलटीसी देने, बीमारियों के लिए कैशलेस सुविधा प्रदान करने, कम्पयूटशेन रिकवरी 180 किश्तों की बजाय 144 किश्त की जाना रहा।

श्री श्याम एकादशी संकीर्तन कार्यक्रम आज

जींद। श्री श्याम मंदिर बनखंड महादेव मंदिर जींद में छह जुलाई को भव्य श्रीश्याम एकादशी संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम श्याम बाबा के भक्तों की उपस्थिति में शाम चार बजे से बाबा की इच्छा तक चलेगा। सोनू जैन ने बताया कि गायक कलाकार हांसी से मोहन दहिया, जींद से विनोद सैनी, साहिल अत्री व जानवी श्रद्धालुओं को संकीर्तन के माध्यम से भक्ति रस में सराबोर करेंगे।

इनेलो के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे कई पदाधिकारी

जींद। शनिवार को इनेलो द्वारा हिसार में आयोजित हिसार जोन के तहत आने वाले तमाम हल्का अध्यक्षों, प्रदेश संयोजक और जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में जींद से पदाधिकारियों ने भाग लिया। सभी संयोजकों ने बताया कि इनेलो के शासन क्या-क्या सुविधा और कार्य इन समुदायों के लिए करने का काम किया गया था और आज की सरकार किस प्रकार से जन विरोधी कार्य करती है।

आर्य स्कूल की छात्रा ने टीवी शो में बिखेरी चमक

जींद। अहिरका के आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा सोनू राष्ट्रीय टेलीविजन शो किसमें कितना है दम (केकेएचडी) के ग्रैंड फिनाले में प्रतिष्ठित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके संस्थान का नाम रोशन किया है। इस कार्यक्रम में देश भर से प्रतिभागियों ने अपने भाषण कौशल का प्रदर्शन किया।

विवि प्रशासन रिजल्ट जारी करने में लाए तेजी

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जींद यूनिवर्सिटी ईंकाई अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि जींद यूनिवर्सिटी ने स्पेशल चांस और मर्सी चांस फार्म भरने की तिथि को 14 जुलाई तक बढ़ा दिया है। क्योंकि विद्यार्थियों यूजी के विद्यार्थियों का रिवैल्युएशन का रिजल्ट भी आना शेष है। यूजी तीन सेमेस्टर में हुए एग्जाम का रिजल्ट भी अब तक यूनिवर्सिटी प्रशासन जारी करने में यूनिवर्सिटी प्रशासन जारी करने में असमर्थ रहा है।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव जरूरी: तेजवीर

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के अंतर्गत निडानी गांव में विजेन्द्र सिंह व तेजवीर सिंह स्वास्थ्य सुपरवाइजर की अगुवाई में एमपीएचडब्ल्यू सलेंद्र, अजय, सुनील गिल, सोनू, जीवन व आशा वर्कर की टीम द्वारा रैपिड फीवर मास सर्वे किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने जयंती देवी मंदिर में पूजा की

प्रदेश की नायब सरकार ईमानदारी के साथ कर रही काम : कृष्ण बेदी

हैबतपुर पीजीआई का 98 प्रतिशत काम हो चुका, जल्द होगा उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहर के मध्य स्थित ऐतिहासिक जयंती देवी मंदिर में गुप्त नवरात्रि उत्सव पर श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शिरकत की। यहां जयंती देवी मंदिर पुजारी नवीन शास्त्री की अगुवाई में मंत्री बेदी ने मां जयंती देवी मंदिर की पूजा की। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस सरकार द्वारा भाजपा सरकार के कार्यों पर असंतुष्टता जाहिर करने के सवाल पर मंत्री बेदी ने कहा कि हमें हरियाणा सरकार ने जिम्मेदारी दी है। हम जनता को संतुष्ट करने में लगे हैं और जनता भाजपा से संतुष्ट है। इसीलिए लगातार तीसरी बार हरियाणा प्रदेश में भाजपा सरकार बनी है। उनकी संतुष्टि से किसी को कोई सरोकार नही है। वो एक्सिडेंटल एमपी हैं। ऐसे हालात बने कि वो एमपी हो गए। उनको संतुष्ट करवाने की जिम्मेदारी हमारी नही है। उनको संतुष्ट या तो हुड्डा करे या फिर राहुल गांधी करेंगे। मंत्री कृष्ण बेदी शनिवार को जयंती देवी मंदिर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं द्वारा बेचारा आदमी कहे जाने पर कहा कि कोई कुछ भी बोल दे, हम उसकी जुबान पर लगाम नही लगा सकते हैं। यह जनता सब देखती है कि ये लोग किन-किन शब्दों का प्रयोग करते हैं। पांच के पांच साल इस तरह की वाणी, इनका यही चरित्र रहता है, वो किसी से छुपा नही है। कांग्रेस के लोग लगातार इस तरह के अनर्गल, बेहद गंभीर आरोप लगाएंगे। फिर कहेंगे कि वोट नही मिलती है। जैसे इसकी सोच है वैसे ही उसकी वाणी है। ग्रुप डी में एमएसी पीएचडी किए हुए कि ज्वायनिंग पर कहा कि सिरसा सांसद शैलजा चिल्ला-चिल्ला कर कहती थी कि हमने 500 लड़के लगा दिए। जो इन्होंने सिस्टम बिगाड़ दिया था। बेईमान तरीके से मेहनत के लोगों की अनदेखी कर लगाते थे लेकिन भाजपा सरकार ने पारदर्शिता के साथ, ईमानदारी व योग्यता के आधार पर भर्ती की है। अगर इन्हें भर्ती में कोई खामी नजर आती है तो ये लोग जाएं कोर्ट में। इनके लगाए हुए गैस्ट टीचर आजतक भुगत रहे हैं। आजतक भी इनके औद्योगिक सुरक्षा बल के नौजवान भुगत रहे हैं। कोई भी भर्ती इनकी संपूर्ण नही हुई। हमेशा इन्होंने लूट और खसोट की राजनीति की है। आज इनकी स्थिति डांवाडोल वाली है। सारे विधायक तारिफ कर रहे हैं। हैबतपुर पीजीआई को लेकर बेदी ने कहा कि 98 प्रतिशत काम हो चुका है और आने वाले समय जल्द ही इसका उद्घाटन होगा और वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं देने का काम किया जाएगा।

जींद। जयंती देवी मंदिर में मां जयंती की पूजा करते मंत्री कृष्ण बेदी।

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते मंत्री बेदी। फोटो :हरिभूमि

सरकार हर मोर्चे पर विफल: बीरेंद्र सिंह

- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ताओं से रूबरू होकर उनसे चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह खटकड़ सहित विभिन्न गांव में कार्यकर्ता के यहां पहुंचे। कार्यकर्ताओं से रूबरू होकर उनसे चर्चा की। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि आज भाजपा सरकार हर मोर्चा पर विफल साबित हो रही है। जो वायदे भाजपा ने किए उन वायदों को पूरा नहीं किया। प्रदेश में आज कानून व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। ऐसा कोई दिन नहीं बीत रहा जिस दिन हत्या की घटना नहीं हो रही है। अपराधियों के हौंसले बुलंद हो रहे है। आज हर वर्ग के लोग भाजपा के शासन से तंग है। खटकड़ गांव में सुरेंद्र सिंह के घर पर बेटे के जन्म पर आयोजित दसूटन कार्यक्रम में हिस्सा ले नवजात को आशीर्वाद दे उज्जवल भविष्य की कामना भगवान से की। सज्जन सिंह, हरेंद्र श्योकंद, अनिल कुमार, डा. राजेश श्योकंद, जगता पालवां, गुरनाम पालवां, मंजीत काब्रच्छा मौजूद रहे।

खटकड़ में सुरेंद्र के आवास पर नवजात शिशु को आशीर्वाद देते पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह।

अलेवा। नगूरां गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर महिलाओं को बेटी बचाओ, बेटी पढाओ की शपथ दिलाती स्वास्थ्य विभाग की टीम। फोटो :हरिभूमि

भ्रूण हत्या न करने की शपथ दिलाई

अलेवा। स्वास्थ्य विभाग की टीम लोगों को बेटी बचाओ, बेटी पढाओ के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक कार्यक्रम चला रही है। सिलसिले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा व पुष्पावती के नेतृत्व में नगूरां गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर महिलाओं को भ्रूण हत्या न करने की शपथ दिलाई। बेटी है अनमोल उपहार, शिक्षा है उसका अधिकार नामक स्लोगनों से लोगों को जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग सरकार के निर्देशानुसार अभियान के तहत गांव के आंगनबाड़ी केंद्रों, चौपालों, स्कूलों आदि में लोगों को लड़कियों की सुरक्षा करना, भ्रूण हत्या रोकना, कन्या शिशु हत्या जैसे अमानवीय कृत्यों के रोकने के प्रति जागरूक कर रहा है। उन्होंने बताया कि लड़कियां शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, सेना आदि में अपना परचम लहरा रही है। लड़कियां आज किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नही हैं। इसलिए लोगों को महिलाओं को लड़का-लड़की में किसी प्रकार का अंतर नहीं करना चाहिए।

गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को मिलेगी दिव्यांग पेंशन : डीसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सरकार द्वारा 21 गंभीर बीमारियों से पीड़ित पात्र लोगों को दिव्यांग पेंशन उपलब्ध करवाने का फैसला लिया है। राज्य सरकार के इस निर्णय की उन्होंने बताया कि इसके लिए आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा हरियाणा का निवासी एवं आवेदन करते समय तीन वर्ष से हरियाणा में रह रहा हो। कहा कि आवेदक की सभी स्रोतों से वार्षिक आय तीन लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा गत 3 मार्च 2025 को दिव्यांग पेंशन के लिए 21 बीमारियों को शामिल किया है। इसमें चलने, फिरने में असमर्थ दिव्यांग, कुष्ठ रोग, मस्तिष्क पक्षाघात, मांसपेशीय दुर्विकास, अंधापन, कम दृष्टि, श्रवण दोष, वाणी और भाषा दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, मानसिक बीमारी, दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी बीमारी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, पार्किंसंस रोग, सिकल सेल रोग, बहु विकलांगता, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, एसिड अटैक पीड़ित एवं बौना आदि विकार शामिल हैं।

हर स्कूल में सफाई कर्मी नियुक्त किया जाए : जितेंद्र

जींद। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला जींद की जिला स्तरीय बैठक जिला प्रधान जितेंद्र बैनीवाल की अध्यक्षता में शहर स्कूल नजदीक बीईओ कार्यालय में हुई। पूर्व जिला प्रधान और वर्तमान राज्य के वाइस चेयरमैन रूपेन्द्र गोयत ने बताया कि कुछ डीडीओ अपने आप को निदेशक से भी बड़ा समझते हैं और प्राथमिक मुख्य शिक्षक के स्थान पर स्वयं ही प्राथमिक शिक्षकों की छुट्टियां सेक्शन करते हैं। जबकि निदेशालय द्वारा जारी पत्र में साफ-साफ लिखा है कि प्राथमिक विद्यालय का हाजिरी रजिस्टर प्राथमिक मुखिया के पास रहेगा और वहीं अन्य प्राथमिक शिक्षकों की छुट्टियां सेंक्शन करेगा। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्व सदस्य राजेश खर्ब ने कहा कि निदेशालय और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी 2011 में लगे कोर्ट केस वाले जिन अध्यापकों को क्लीन चिट मिल चुकी है उन सभी के केस भेजे जाएं लेकिन फिर कुछ डीडीओ कोई काम नहीं कर रहे बल्कि अध्यापकों को अनावश्यक तंग कर रहे हैं।

बैठक में मौजूद राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

उचाना। तेरापंथ भवन में विराजमान समणी जयंत प्रज्ञाए सन्मति प्रज्ञा।

नरम चीजें लंबे समय तक चलती हैं : प्रज्ञा

उचाना। पुरानी अनाज मंडी में स्थित तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण की शिष्या समणी जयंत प्रज्ञा सन्मति प्रज्ञा के सान्निध्य धर्म सभा आयोजित हुई। उन्होंने कहा कि अगर जीवन में बनोंगे मुलायम तो प्रतिष्ठा होगी कायम। जो वस्तु चीज मुलायम होती है वो सभी को प्रिय लगती है जैसे रूई, मक्खन, फूल। कठोर वस्तु किसी को अच्छी नहीं लगती। जिंदगी में सदा अपने के लिए कठोर ओर दूसरों के लिए नरम बनो। परंतु आप देखना कोमलता के अभाव में परिवार में शांति नहीं आ सकती। जो इंसान कठोर होता है धीरे-धीरे उसी की बगावत होनी शुरू हो जाती है। कठोरता जीवन में क्यों आती है। जब जीवन में दया काए करूणा का अभाव हो जाता है। स्वार्थ में भी इंसान कठोर बन जाता है। मोक्ष का अधिकारी भी पहीं है जो नरम मुलायम है। संसार पार करना है तो मृदुता जरूरी है। कोमल जमीन में ही अंकुर पैदा होता है। इसी प्रकार कोमल हृद्य में ही धर्म उत्पन्न होता है। एक सूख पत्ता ही शोर मचाता है वहीं एक हरा पत्ता कभी भी आवाज नहीं करता। ठीक इसी प्रकार ज्ञान पैदा होने के बाद हमें गंभीर बनना है।

अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान

उचाना। प्लस पॉइंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल खापड़ में विद्यार्थियों द्वारा विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में अनेक पौधे रोपे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वच्छए हरा.भरा वातावरण तैयार करना है। प्रबंध निदेशक आरएम सांगवान ने कहा कि प्रकृति की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है और यह पहल हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत संदेश है। पौधारोपण एक सेवा है जीवन के लिएए भविष्य के लिए। हमें अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए।

उचाना। प्लस पॉइंट स्कूल खापड़ में पौधरोपण करते हुए।

जींद। बैठक में भाग लेते सेवानिवृत कर्मी। फोटो :हरिभूमि

हड़ताल में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान

जींद। स्थानीय अक्षर भवन में रिटायर्ड कर्मचारी संघ कमेटी की बैठक प्रधान विक्रम सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन सचिव राजकुमार श्योकंद ने किया। बैठक में राज्य कमेटी की ओर से छज्जू राम नैन व आजाद पांचाल ने विशेष रूप से भाग लिया। बैठक के निर्णयों की जानकारी देते विक्रम सिंह ने बताया कि आगामी नौ जुलाई को देश की तमाम ट्रेड यूनियनों व कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल होने जा रही है। जिसमें संयुक्त किसान मोर्चा, सर्व कर्मचारी संघ, छात्रों, नौजवानों, मजदूरों और महिलाओं सहित रिटायर्ड कर्मचारी संघ भी बढ़ चढ़कर भाग लेगा। नौ जुलाई को हड़ताल का जिलास्तरीय कार्यक्रम जींद के लघु सचिवालय पर सुबह 10 बजे शुरू होगा। जिसमें जिला भर के रिटायर्ड कर्मचारी सैंकड़ों की तादाद में शामिल होंगे।

नरवाना। बैठक में भाग लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

अभिभावक-अध्यापक बैठक हुई

नरवाना। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय बेलरखा में हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग के दिशा.निर्देशानुसार अभिभावक.अध्यापक बैठक ;च्ज्ड्द्ध का आयोजन किया गया। अध्यापक प्रदीप जागलान ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने की। उन्होंने अभिभावकों से संवाद करते हुए उनके विचारों को गंभीरता से सुना और बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। प्रधानाचार्य गोयत ने कहा कि बच्चे के समग्र विकास में शिक्षक और अभिभावक की साझेदारी आवश्यक है। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत यह पहल बच्चों की बुनियादी साक्षरता और गणनात्मक दक्षता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। मुख्य शिक्षक सुरेंद्र पातलान ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों को दिए गए अनुभव आधारित गृहकार्य और उसके मूल्यांकन पर अभिभावकों के साथ चर्चा की और उनके सुझाव आमंत्रित किए।

अजमीढ़ देव भवन व धर्मशाला के लिए सांसद ने की पांच लाख देने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सोनीपत के लोक सभा सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने स्थानीय सैक्टर छह में निर्माणाधीन महाराज अजमीढ़ देव भवन एवं सुनार धर्मशाला के कार्य को पूर्ण करवाने के लिए अपने सांसद कोष से पांच लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा की है। यह घोषणा शनिवार को पिंडारा स्थित अपने कार्यालय में मैढ सुनार सभा के प्रधान सत्यनारायण सोनी की अगुवाई में ज्ञापन देने आए प्रतिनिधिमंडल के सम्मुख की। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने मैढ़ सुनार सभा द्वारा समाजहित में किए जा रहे। कार्यो की

प्रशंसा करते हुए बताया कि निर्माणाधीन महाराज अजमीढ़ देव भवन एवं सुनार धर्मशाला के निर्माण में यदि आवश्यक होगा तो भविष्य में और भी मदद की जाएगी। मैढ सुनार सभा के प्रधान सत्यनारायण सोनी, राममेहर वर्मा के द्वारा धर्मशाला के निर्माण में सहयोग करने के लिए उनका आभार प्रकट करते हुए बताया कि संस्था पिछले 27 सालों से रक्तदान शिविर लगाने, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम के लिए लोगों को जागृत करने, पर्यावरण बचाने के लिए पौधारोपण करने,, गरीब व बेसहारा बच्चों को उनकी पढ़ाई में मदद करने, शहीदों की शहादत पर कार्यक्रम करके देश सेवा के लिए युवाओं को प्रेरित करने, स्वच्छता अभियान तथा नशे के खतरों के प्रति जागरूकता अभियान चला कर सरकार व प्रशासन की मदद करने, गरीब कन्याओं की शादी में मदद करने जैसे कार्य करते हुए सर्व समाज की एकता एवं भाई चारे की मजबूती के लिए कार्य कर रही है।

जींद। शिविर में जांच करते हुए टीम। फोटो :हरिभूमि

शिविर में 83 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

जींद। गोहाना रोड स्थित सैनिक वाटिका में शनिवार को निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन एवं सैनिक सभा की। कैंप में 83 लोगों ने अपना मेडिकल चेकअप कराया। नोएडा के प्रसिद्ध मेट्रो हार्ट इंस्टिट्यूट के कार्डियोलॉजीस्ट डा. मुमुक्षु आर्य की टीम ने विशेषज्ञ और लैब सेवाएं प्रदान की। कर्नल डीके भारद्वाज ने बताया कि इसी के साथ पूर्व सैनिकों और परिवारजनों की मासिक सभा भी संपन्न हुई। जिसमे सीएसडी कैंटीन, ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक, सैनिक बोर्ड, पेंशन संबंधी दिक्कतें व अन्य विभिन्न मसलों के समाधान हेतु विचार विमर्श हुआ। पूर्व सैनिकों और परिवारजनों के लिए रोजगार प्लेसमेंट बारे जानकारी सांझा की गई। पूर्व सैनिक प्रतिनिधियों की हिसार कैंट में सैन्य अधिकारियों के साथ पूर्व सैनिक वेल्फेयर मसलों बारे 16 जून को हुई सफल मीटिंग का ब्यौरा भी सांझा किया गया।

धर्मकर्म | हारे का सहारा सेवा समिति धार्मिक और समाजसेवा के कामों में अग्रणी: पवन

राजस्थान के खाटू धाम और सालासर धाम के लिए श्रद्धालुओं की बस को रवाना किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

समाजसेवी पवन गर्ग और रमेश ढिल्लों ने राजस्थान के खाटू धाम और सालासर धाम के लिए हारे का सहारा सेवा समिति की बस को शनिवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहर के विद्यापीठ मार्ग स्थित हारे का सहारा सेवा समिति कार्यालय के बाहर जमा हुए। यहां पहले श्याम बाबा की पूजा हुई। इसके बाद समाजसेवी पवन गर्ग और रमेश ढिल्लो ने यात्रियों से भरी बस को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते कहा कि समिति बाबा श्याम का संकीर्तन हर साल करवाती है। इस बार चौथा संकीर्तन छह सितंबर को होगा। जिसमें कोलकत्ता, दिल्ली और जींद के कलाकार बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। उन्होंने कहा कि हारे का सहारा सेवा समिति धार्मिक और समाजसेवा के कामों में सदा आगे रहती है। समिति के प्रधान विवेक गर्ग, महासचिव केशव गर्ग, उप प्रधान सचिन गोयल, सह सचिव राजकुमार रोहिल्ला, कोषाध्यक्ष विजय धीमान, प्रवक्ता दिनेश सोनी और हारे का सहारा सेवा समिति के समस्त सदस्य मौजूद रहे।

प्रधान विवेक गर्ग ने कहा कि समिति बाबा के आशीर्वाद से हर साल संकीर्तन करवाती है। जिसमें बड़ी संख्या में शहर के लोग और बाबा के भक्त शामिल होते हैं। समिति इसके अलावा गरीब जरूरतमंद बच्चों को स्कूल ड्रेस, सर्दी से बचाव के कपड़े भी बांटती है। गरीब घरों की बेटियों को अपनी बेटी मान कर उनकी शादी करवाती है। इस तरह के समाजसेवा का कार्यों के लिए समाजसेवी पवन गर्ग और रमेश ढिल्लो ने समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की खुल कर तारीफ की। बस में बाबा के भक्त बाबा श्याम और सालासर हनुमान जी के भजनों पर नाचते-गाते हुए गए।

जींद। खाटू धाम और सालासर के लिए यात्रियों की बस को झंडी दिखाकर रवाना करते समाजसेवी पवन गर्ग, रमेश ढिल्लो। फोटो :हरिभूमि

नरवाना। बच्चों द्वारा बनाए गए चार्ट। फोटो :हरिभूमि

सुंदर ज्ञानवर्धक व रंगीन चार्ट बनाए

नरवाना। चिराग पब्लिक स्कूल नरवाना में छात्रों ने एक रचनात्मक गतिविधि के अंतर्गत अपने.अपने कक्षा स्तर के अनुसार पाठ्यक्रम से संबंधित विषयों पर चार्ट बनाकर प्रस्तुत किए। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में विषय के प्रति गहरी समझ विकसित करनाए उनकी प्रस्तुति कौशल को निखारना और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने विज्ञान गणित सामाजिक विज्ञान हिंदी अंग्रेजी तथा पर्यावरण अध्ययन जैसे विषयों पर सुंदर ज्ञानवर्धक व रंगीन चार्ट तैयार किए। बच्चों ने पानी का चक्र मानव शरीर के अंग गणितीय आकृतियाँ भारत का नक्शा वर्णमाला चार्ट जैसे विषयों को अपनी कल्पनाशक्ति से सजाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश वत्स ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ.साथ उन्हें विषयवस्तु को बेहतर तरीके से समझने में सहायक होती हैं।

खबर संक्षेप

कैथल। थाना ट्रैफिक इंस्पेक्टर नरेश ग्रामीणों को जागरूक करते हुए।

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

कैथल। सड़क सुरक्षा विषय के तहत आमजन सहित युवाओं को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए कैथल में विभिन्न स्थानो पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल व यातायात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश कुमार की टीम द्वारा आमजन सहित युवाओं को यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरूक किया।

चेक बाउंस के मामले में उद्घोषित अपराधी काबू

पूंडरी। पी.ओ./बेलजंपरो की धरपकड़ के लिए चलाई जा रही मुहीम अंतर्गत पीओ पकड़ो स्टाफ प्रभारी एस आई ओमप्रकाश की अगुवाई में पुलिस टीम द्वारा चेक बाउंस मामले में पीओ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ए एस आई राजकुमार द्वारा आरोपी अर्जुन नगर कैथल निवासी मुकेश को गिरफ्तार किया गया। जो वर्ष 2017 दौरान चेक बाउंस मामले में माननीय अदालत द्वारा 17 जनवरी 2025 को पीओ घोषित किया गया था।

आमजन एवं कांवड़िए करें यातायात नियमों का पालन

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि कांवड़ यात्रा शुरू होने वाली है, जिसमें हजारों श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लाकर पास के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ यात्रा के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन के लिए पुलिस अपने पुख्ता इंतजाम रखे। इसके साथ ही सभी आमजन एवं सभी कांवड़ यात्री यातायात नियमों का पालन करें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने दिया जनता को तोहफा: अशोक गुर्जर

कैथल। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की जनता को लगातार कई बड़े तोहफे दिए हैं। वीरवार को जारी साढ़े सात हजार युवाओं को नौकरी की सूची ने साबित कर दिया है कि प्रदेश सरकार बिना पर्ची-खर्ची से लोगों को रोजगार देकर जनहित की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। विपक्ष के पास आरोप लगाने के सिवाय कोई मुद्दा नहीं हैं। मुख्यमंत्री की पारदर्शी नीतियों से ऐसे घरों में रोजगार का चिराग जला है, जहां लोगों को नौकरी की उम्मीद तक नहीं होती थी। यह सब सरकार की बिना पर्ची-खर्ची की नीति से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछड़ा वर्ग के लिए मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना में दस हजार रुपये की बढ़ौतरी कर गरीब परिवारों को आर्थिक मदद का तोहफा दिया है।

सोमवार तक करवा सकेंगे पहली मेरिट सूची के अभ्यर्थी डाक्यूमेंट वैरीफिकेशन

आईटीआई में अवकाश के दिन विभिन्न कोर्सों में शनिवार को भी हुए दाखिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

वीरवार को पहली मैरिट लिस्ट कम सीट अलाटमेंट जारी होने उपरांत शनिवार को अवकाश के दिन भी आईटीआई में पूरे दिन डाक्यूमेंट वैरीफिकेशन करवाते हुए विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। कैथल के राजकीय आइटीआइ में शनिवार तक कुल 177 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है।

बता दें कि कैथल के आईटीआई में 1250 सीटों के प्रति 8474 आवेदन पहुंचे हैं। विभाग द्वारा वीरवार को जारी की गई प्रथम मैरिट लिस्ट में 771 सीट जारी की गई हैं। ऐसे में इन विद्यार्थियों को डाक्यूमेंट वैरीफिकेशन करवाने के लिए 7 जुलाई तथा फीस भरने के लिए 8 जुलाई निर्धारित की है।

7 तक फिजिकल वैरीफिकेशन

पहली मैरिट सूची में जिन विद्यार्थियों को सीट अलाटमेंट की गई हैं तो वे 7 जुलाई तक संबंधित आईटीआई में जाकर अपने मूल दस्तावेजों के साथ फिजिकल वैरीफिकेशन करवा सकते हैं। इसके बाद विद्यार्थी को आनलाइन पोर्टल पर ही 8 जुलाई तक अपनी फीस जमा करवानी होगी। जो फीस जमा नहीं करवाएंगे उनकी सीट रद्द हो जाएगी।

देना होगा 500 रुपये जुर्माना

जिन विद्यार्थियों को पहली मैरिट में सीट अलाट हुई है लेकिन यदि विद्यार्थी उस सीट पर दाखिला नहीं लेना चाहता तथा अपनी च्वाइस बदलना चाहता है तो इसके लिए उसे 7 जुलाई को पोर्टल पर 500 रुपये जुर्माना अदा करना होगा। यदि जुर्माना अदा नहीं किया तो उसकी च्वाइस लॉक हो जाएगी तथा वह आगामी मैरिट लिस्ट में भाग नहीं ले सकेगा।

कैथल। आईटीआई में दाखिला करते दाखिला कमेटी के सदस्य।

जींद में 56 विद्यार्थियों ने लिया दाखिला

जींद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में दाखिला प्रक्रिया जारी है। संस्थान द्वारा दाखिले की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से अवकाश के दिनों में भी संस्थान खोला गया है। इसी कड़ी में शनिवार को जबकि संस्थान में सामान्यतः अवकाश रहता है, 56 विद्यार्थियों ने अपने भविष्य को आकार देने के लिए दाखिला लिया। संस्थान के प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने बताया कि प्रथम मेरिट सूची के आधार पर दाखिले की अंतिम तिथि आठ जुलाई निर्धारित की गई है। इसके चलते अवकाश के दिन भी छात्रों की सुविधा हेतु संस्थान को खुला रखा गया ताकि कोई भी पात्र छात्र दाखिला प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि शनिवार को 56 छात्रों ने विभिन्न ट्रेडों में दाखिला लिया। जिससे अब तक प्रथम चरण में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या 91 तक पहुंच चुकी है।प्रथम मेरिट सूची में 666 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

आठ जुलाई तक जमा करवा सकते हैं फीस

आईटीआई कैथल के दाखिला इंचार्ज संजय कुमार, वर्ग अनुदेशक ने बताया कि पहली मैरिट लिस्ट में नाम आने वाले विद्यार्थी 7 जुलाई तक वैरीफिकेशन करवाते हुए 8 जुलाई तक फीस जमा करवा सकेंगे।

कैथल। आम आदमी पार्टी की महिला विंग की हरियाणा प्रदेश अध्यक्षा डॉ. रजनीश जैन पत्रकारों से बातचीत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आप ने भाजपा के बिजली बिलों के दरों में वृद्धि का किया विरोध

- आप महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रजनीश जैन ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ -कैथल

आम आदमी पार्टी की महिला विंग की हरियाणा प्रदेश अध्यक्षा और कैथल जिला प्रभारी डॉ. रजनीश जैन ने आज पार्टी जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष जगमग मटौर की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की एक अहम बैठक ली। यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू हुई, जिसमें जिलेभर के आप कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के बाद डॉ. जैन ने प्रैसवार्ता को संबोधित किया।

बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। डॉ. रजनीश जैन ने कहा कि आम आदमी पार्टी हरियाणा में आम जनता की आवाज बनकर उभरी है और महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करते हुए हर गांव और वार्ड स्तर तक संगठन को सक्रिय किया जाएगा। प्रेसवार्ता में उन्होंने हरियाणा की बीजेपी सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने बिजली बिलों में हो रही बेहताशा बढ़ोतरी पर चिंता जताई और कहा कि आम जनता पहले ही महंगाई से जूझ रही है, ऐसे में बिजली दरों में बढ़ोतरी सरासर अन्याय है। साथ ही, राशन डिपो पर दरों में बढ़ोतरी को लेकर भी उन्होंने विरोध जताया और कहा कि सरकार आम आदमी की जेब पर डाका डाल रही है। जगमग मटौर ने कहा कि जिला स्तर पर संगठन को सशक्त करने के लिए गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा।

जयंती समारोह का दिया न्योता

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजौंद

गुरु दक्ष प्रजापति जी की जयंती को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में निमंत्रण देने की टीम में शामिल काला राम ढाबा वाले, श्याम प्रजापति राजौंद, बीपीएचओ जिलाध्यक्ष सुभाष कुराड, राजपाल कैथल, मीडिया प्रभारी कृष्ण टीक व मनोज रामगढ़ ने शनिवार को राजौंद क्षेत्र के गांव तितरम, देवबन, सौंगरी-गुलियाना, रोहेड़ा, नीमवाला में पहुंचकर लोगों को आगामी कार्यक्रमों के लिए निमंत्रण दिया।

टीम ने ग्रामीणों को 10 जुलाई को कुरुक्षेत्र में आयोजित भव्य क्षेत्रीय समारोह और 13 जुलाई को भिवानी में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। गांव देवबन में कृष्ण कुमार, बाला देवी, प्रेमी देवी, रीना, महेंद्र सिंह, भान, काला, सेमी व सुभाष को आमंत्रित किया गया। गांव गुलियाना में दलबीर, रघुबीर, पाला राम, मोलू राम, सुभाष चंद, कपूर सिंह, राजू को निमंत्रण दिया गया। रोहेड़ा गांव में रामकुमार, रामदिया, कपिल, नवनीत, साहिल, सुभाष, महिपाल, संदीप, सुखदेव, वेदप्रकाश से संपर्क किया गया। गांव नीमवाला में मनफूल सिंह, रामफल, अनील, बलबीर, सतीश, राजेश, कमल, धर्म सिंह, बलबीर को कार्यक्रमों में शामिल होने का आह्वान किया गया।वहीं सोंगरी-गुलियाना में संदीप, बलदेव सिंह फौजी, कुलदीप, रिंकू, देवीलाल आदि को भी दोनों कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। टीम सदस्यों ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक नवीन टाया रहे, वहीं महिला सहभागिता प्रमुख निधि मोहन ने जानकारी दी कि आने वाली 6 जुलाई को पटियाला ऑय केयर के सहयोग से गांव सांच में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक ग्राम गुरु ब्रह्मनाद आश्रम सांच में लगेगा।

इस अवसर पर निधि मोहन, डॉ. मनीषा मंगल, नवीन टाया, अशोक सैनी, डॉ. मनोज मंगल, मास्टर अमरपाल राणा, रिम्पल टाया, वंदना मित्तल, मूर्ति देवी, महेंद्रों देवी, मास्टर सुनील वालिया, सुमन आर्य, सेवा सिंह, डॉ. राजिंदर खुराना, प्रेम सिंह सहित लगभग 30 लोग उपस्थित रहे।

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेने का निमंत्रण देते हुए टीम सदस्य।

आंगनबाडी में किया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजौंद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद के अंतर्गत सब सेंटर राजौंद फर्स्ट, सुनीता आगनवाड़ी जींद रोड पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बारे जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सिविल सर्जन डॉ रेनू चावला के दिशा निर्देश व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में एरिया की सभी आशा वर्कर ,गण मान्य व्यक्तियों , आंगनबाड़ी वर्कर ने भाग लिया। कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि जब हम बेटी नहीं बचाएंगे तो बहू कहां से लेकर आएंगे। गिरते हुए लिंगानुपात में सुधार के लिए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा ने लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई आदमी लिंग जांच करता है या इस तरह के किसी गलत कार्य में सक्रिय है तो उसकी सूचना तुरंत हमें दें। कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग पैसे के लालच में बेटियों की हत्या कोख में ही कर रहे हैं, लोगों को ऐसा पाप बिल्कुल नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम को सुचारू रूप से काम करने के लिए आशा वर्कर ने इक सहेली ग्रुप भी बनाया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बारे जागरूक करते हुए।

भाविप ने विवेकानन्द को अर्पित किए श्रद्धासुमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पूंडरी

भारत विकास परिषद् फतेहपुर-पूंडरी शाखा की तरफ से स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर हुडा पार्क में भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम्' से की गई, जिसके उपरांत स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर शाखा के सदस्यों ने उनके विचारों, दर्शन और जीवन-कार्य पर चर्चा की। कार्यक्रम में अमरपाल राणा एवं धनपत आर्य ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक नवीन टाया रहे, वहीं महिला सहभागिता प्रमुख निधि मोहन ने जानकारी दी कि आने वाली 6 जुलाई को पटियाला ऑय केयर के सहयोग से गांव सांच में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक ग्राम गुरु ब्रह्मनाद आश्रम सांच में लगेगा।

इस अवसर पर निधि मोहन, डॉ. मनीषा मंगल, नवीन टाया, अशोक सैनी, डॉ. मनोज मंगल, मास्टर अमरपाल राणा, रिम्पल टाया, वंदना मित्तल, मूर्ति देवी, महेंद्रों देवी, मास्टर सुनील वालिया, सुमन आर्य, सेवा सिंह, डॉ. राजिंदर खुराना, प्रेम सिंह सहित लगभग 30 लोग उपस्थित रहे।

पुडरी। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित करते शाखा सदस्य।

बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हेतु शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार की

रिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

आरोही स्कूल ग्योंग में विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ मनीष सिंगला के नेतृत्त्व में और हिंदी प्राध्यापक डॉ विजय चावला के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा लैब में उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हेतु शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार की।हिंदी प्राध्यापक डॉ विजय चावला ने जानकारी देते हुए बताया कि उल्लास - साक्षर भारत की ओर एक कदम है।उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम, जिसे न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के रूप में भी जाना जाता है, एक केंद्र प्रायोजित पहल है,जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखित है। इसका उद्देश्य सभी पृष्ठभूमियों से आने वाले 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों को सशक्त बनाना है।

नीलम विवि में स्टूडेंट इंटर्नशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

कैथल। एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय, कैथल में स्टूडेंट इंटर्नशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 5 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक चलने वाले 4-सप्ताह के कौशल-आधारित इंटर्नशिप की शुरुआत को दर्शाता है। इसमें होटल मैनेजमेंट, ब्यूटी एंड वेलनेस, फैशन डिजाइनिंग और फाइन आर्ट्स के कोर्सों से जुड़े विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों के पंजीकरण के हुई, जिसे प्राध्यापिका कोमल रानी ने संचालित किया। डा. एकता चाहल, डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज ने उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य एवं अपेक्षित परिणामों पर कार्यक्रम समन्वयक डा. ऋचा मोर ने अपना वक्तव्य दिया । विभागीय प्रस्तुतियों में अलग-अलग विभागों के विशेषज्ञों ने छात्रों को जानकारी दी। जिसमे होटल मैनेजमेंट से डॉ. अभिषेक राणा,ब्यूटी एंड वेलनेस से काजल, फैशन डिजाइनिंग से डॉ. राहुल,फाइन आर्ट्स से डॉ. अनिल रहे।

पुरानी रंजिश में चाकू से वार कर व्यक्ति की हत्या

जींद। गांव काबरछा में रंजिश के चलते शनिवार देर शाम को चाकू से वार कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलने पर उचाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव ग्राह में रखवाया। वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से फरार हो गया। उचाना थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।गांव काबरछा निवासी प्रीतम और मनीष के बीच कुछ समय पहले कहासुनी हुई थी। तभी से मनीष गांव के ही प्रीतम से रंजिश रखे हुए था। शनिवार देर शाम को मनीष ने इसी रंजिश के चलते प्रीतम पर चाकू से हमला कर दिया। जिसमें प्रीतम गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रीतम को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्रीतम को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर उचाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम की सहायता से साक्ष्यों को जुटाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उचाना थाना प्रभारी बलवान ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। चाकू से वार कर हत्या की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को मिलेंगे एक लाख 21 हजार रुपये

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि 13 जुलाई को कैथल हाफ मैराथन में सभी आमजन बढ़चढ़ भाग लें और नशे के खिलाफ शुरू की गई जंग में अपनी भागीदारी निभाएं। मैराथन को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। मैराथन की शुरुआत अंबाला रोड स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह से होगी। यहां से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैराथन को हरी झंडी देकर रवाना करेंगे। मैराथन में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चल रही है। मैराथन तीन कैटेगरी में आयोजित होगी। इसमें 21 किलोमीटर व 10 किलोमीटर की प्रोफेशनल तथा पांच किलोमीटर रन फार फन रेस शामिल हैं। 21 किलोमीटर की मैराथन में भाग लेने के लिए 200 रुपये तथा 10 किलोमीटर मैराथन में भाग लेने के लिए 100 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस निर्धारित की गई है।

अभियान के तहत राजौंद को हरा भरा किया जा रहा

ब्रह्माकुमारीज की शाखा में रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजौंद

ब्रह्माकुमारीज की स्थानीय शाखा सुख शान्ति भवन राजौंद द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजौंद को हरा भरा बनाने का कार्य बड़े ही उमंग उल्लास के साथ किया जा रहा है। ब्रह्माकुमारी बहनें जगह पहुंचकर भाई बहनों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागृत कर रही हैं। पर्यावरण ही हमारी असली सम्पदा है, आज राजौंद के पास के क्षेत्र कोटड़ा में बहन ने माताओं बहनों को जागरुक किया और कहा कि पेड़-पौधे धरती का तथा सद्गुण मानवता का श्रृंगार है। हमें हमारी मातृभूमि को हरा भरा बनाने के लिए अधिकाधिक पेड़ लगाने चाहिए और जीवन को सुखमय, शांतिमय, आध्यात्मय बनाने के लिए सद्गुणों को अपनाना चाहिए। हम पेड़ पौधे प्राण वायु आक्सीजन, छाया, फल व फूल और अन्न प्रदान, पर्यावरण को संतुलित कर मनुष्य ही नहीं, प्राणी मात्र के जीवन को अमृत बना देते है। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ साथ पेड़ लगाने वाले को निरन्तर पेड़ की एवं स्वयं की शांति, प्रेम,सहनशीलता, नम्रता और करुणा जैसे मूल्यों की पालना करवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। और अंत में सभी को दिल से पौधारोपण कर उनकी देखभाल करने, अपनी बुराइयों को दूर करने व सद्गुणों को ग्रहण करने का संकल्प स्मरण दिलवाया गया।

राजौंद। पौधा रोपण कार्यक्रम के दौरान मौजूद भाई-बहन फोटो : हरिभूमि

एमडीएन ग्लोबल स्कूल में एक पेड़ मां के नाम थीम से किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

एमडीएन ग्लोबल स्कूल, कैथल में जुलाई के प्रथम सप्ताह में वन महोत्सव का आयोजन अत्यंत उत्साह और पर्यावरणीय चेतना के साथ किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम "एक पेड़ माँ के नाम" रखी गई, जिसका उद्देश्य वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता को और गहराई देना तथा पेड़ को मातृत्व के स्नेह से जोड़कर संरक्षण की भावना जागृत करना रहा।

सप्ताह का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ. विनोद कुमार एवं चेयरपर्सन श्रीमती निधि कंसल ने पौधारोपण कर किया। अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि मानव सभ्यता का आधार प्रकृति है और जब तक हम वृक्षों को अपना परिवार मानकर उनकी देखभाल नहीं करेंगे, तब तक जीवन का संतुलन नहीं टिक पाएगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे हर साल कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करें और उसे बड़ा होते देखना ही सच्चा पुण्य है। चेयरपर्सन श्रीमती निधि कंसल ने कहा कि जिस प्रकार माँ हमें बिना किसी स्वार्थ के जीवन देती हैं, उसी प्रकार वृक्ष हमें ऑक्सीजन, छांव और पोषण प्रदान करते हैं, इसलिए प्रत्येक पौधे को मातृत्व का दर्जा देना नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर हरियाली की भावना से परिपूर्ण दिखाई दिया।

कैथल। पौधारोपण के लिए तैयार एमडीएन स्कूल के विद्यार्थी

सूचना

मैं, बाबू राम पुत्र श्री मनोहर निवासी गांव कलायत, तहसील कलायत, जिला कैथल बयान करता हूं कि मेरे पुत्र प्रदीप व पुत्रवधु नन्दिनी तथा दूसरा पुत्र संदीप व पुत्रवधु दीपा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संतोष देवी पत्नी बलवान सिंह भटनागर कॉलोनी रोहतक रोड जींद-126102 बयान करती हूँ कि मेरी रजिस्ट्री संख्या 3178, 3179 दिनांक 22.08.2005 जो कि दिनांक 16.6.2025 को कहीं गुम हो गई इसके संबंध में मैंने पुलिस में डीडीआर संख्या 2976651/2025 दर्ज करवा दी है यदि उपरोक्त कागज किसी को मिलता है और दुरुपयोग करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा वह ऊपर दिए गए पते पर संपर्क कर सकता है।

खबर संक्षेप

मंत्री आज से दो दिन नरवाना दौरे पर

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी 6 तथा 7 जुलाई को नरवाना विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। प्राप्त दौरा कार्यक्रम के अनुसार कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी 6 जुलाई प्रातः 10रू00 बजे नरवाना के एस डी महिला कॉलेज में पंजाब केसरी ग्रुप द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करेंगे। इसी दिन सायं 5 बजे विधानसभा क्षेत्र के गांव हंसडैहर में आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे और जन समस्याएं सुनेंगे।

होटल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

कैथल। कलायत पुलिस ने बिना अनुमति के एक होटल पर अवैध तरीके से डीजल और पेट्रोल रखने के आरोप में होटल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खाद्य पूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर विक्रम ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांव शिमला का महादेव चौधरी होटल का संचालक बिना अनुमति के होटल पर डीजल और पेट्रोल रखते हुए उसे महंगे दामों पर बेचता है। जैसे ही टीम द्वारा वहां पर दबिश दी गई तो वहां पर डीजल और पेट्रोल रखा हुआ मिला।

विवाहिता बिना बताए घर से हुई लापता

कैथल। थाना कलायत पुलिस ने एक विवाहिता के बिना बताए घर से चले जाने का मामला दर्ज किया है। थाना कलायत के तहत आने वाले गांव की एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 3 जुलाई को गांव शिमला से उसकी पुत्रवधू बिना बताए घर से चली गई। उन्होंने उसकी आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। मामले के जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल सुमन ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चाणक्य स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

उचाना। चाणक्य इंटरनेशनल स्कूल कसूहन में विज्ञान को समर्पित ज्ञानवर्धक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडलों और प्रयोगों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा तैयार किए गए ज्वालामुखी विस्फोट, शॉटर डिस्पेंसर जैसे मॉडल सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। इन मॉडलों ने छात्रों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की भावना को उजागर किया।

दीपक का हुआ नवोदय विद्यालय में चयन

उचाना। आरकेएसडी स्कूल तारखा के दीपक पुत्र राजनारायण का नवोदय विद्यालय जींद में चयन हुआ। स्कूल प्रिंसिपल नरेंद्र वत्स ने बताया कि बीते सात सालों से स्कूल के विद्यार्थियों का नवोदय विद्यालय जींद में चयन हो रहा है। शिक्षाए खेल के क्षेत्र में निरंतर स्कूल के विद्यार्थी गांवए स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे है। होनहार विद्यार्थियों पर गर्व है।

मोहाली अस्पताल में किनाना के जवान मुकेश राणा का बीमारी से निधन

सीआरपीएफ जवान का निधन सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार

बड़े बेटे ने दी मुखाग्नि, हर किसी की आंखें थी नम, रक्षाबंधन पर आने और मां के घुटने का आप्रेशन करवाने की कही थी बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआरपीएफ जवान मुकेश राणा

जींद। सीआरपीएफ जवान मुकेश राणा को नमन करते हुए।

जींद। सीआरपीएफ जवान मुकेश राणा का दाह संस्कार करते हुए।

जींद। सीआरपीएफ जवान मुकेश राणा के निधन पर मातमी धुन बजाते हुए।

गांव किनाना के सीआरपीएफ जवान मुकेश राणा का शुक्रवार रात को निधन हो गया। किनाना गांव के मुकेश राणा चंडीगढ़ के मोहाली के अस्पताल में उपचाराधीन थे। गांव में शनिवार को उनका सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर मातमी धुन बजाई गई और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे और अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ दिन पहले ही मुकेश ने मां से फोन पर बात कर कहा था कि रक्षाबंधन पर आएगा और घुटने का ऑपरेशन करवाउंगा।

जींद के किनाना गांव निवासी 32 वर्षीय मुकेश राणा साल 2017 में केंद्रीय रीजर्व पुलिस फोर्स में कांस्टेबल के पद पर भर्ती हुए थे। मुकेश राणा को पिछले दिनों गंभीर बीमारी के चलते चंडीगढ़ के मोहाली के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। यहां उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो पाया और शुक्रवार देर रात को उनका निधन हो गया। सुबह उनका पार्थिव शरीर पहले आर्मी कैंट उसके बाद गांव में लाया गया। यहां पर सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सीआरपीएफ के जवान, अधिकारी के अलावा जींद सदर थाना, जुलाना पुलिस भी मौके पर पहुंची है। मुकेश के पिता जयपाल राणा ने बताया कि मुकेश आठ साल पहले सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था। फिलहाल वह कांस्टेबल के रैंक पर था और सेना की गाड़ी चलाता था। मुकेश को दो बच्चे हैं।

22 जून को हुआ था पैरालिसिस अटैक

पिछले माह 22 जून को अचानक से मुकेश राणा को पैरालिसिस अटैक हो गया था। इसके बाद सिर की नस फट गई। इसके बाद उन्हें मोहाली के सीआरपीएफ अस्पताल में आईसीयू में भर्ती करवाया गया। 22 जून के बाद से ही वो लगातार वेंटिलेटर पर चल रहे थे। उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ था। शुक्रवार देर रात को अस्पताल में मुकेश ने अंतिम सांस ली। इस मौके पर डीएसपी जितेंद्र राणा, जींद सदर थाना, जुलाना पुलिस भी पहुंची। सीआरपीएफ के अधिकारी ने मुकेश के बड़े भाई को तिरंगा सौंपा। मुकेश के पिता जयपाल राणा ने बताया कि मुकेश ने 12वीं के बाद पॉलिटेक्निक की थी। इसके बाद वह सीआरपीएफ में भर्ती हुए। पिंजौर में ट्रेनिंग के बाद उनकी ड्यूटी मध्य प्रदेश में लगी। इसके बाद उनका ट्रांसफर दिल्ली हुआ। दिल्ली से उन्हें पिंजौर भेजा गया। उनकी पत्नी शीतल अंबाला डाक विभाग में क्लर्क के पद पर तैनात हैं। मुकेश के दो बेटे हैं। जिनमें बड़ा बेटा नौ और छोटा चार साल का है। उनके बड़े भाई राकेश दिल्ली पुलिस में तैनात हैं। गांव के सरपंच राजकुमार आर्य ने बताया कि मुकेश मिलनसार व्यक्ति थे। वह जब भी गांव आते थे तो बड़े बुजुर्गों से जरूर मुलाकात करते थे।

जींद के जाइट कॉलेज में एआई लैब का उद्घाटन

जींद। लैब का उद्घाटन करते हुए। फोटो :हरिभूमि

■ तकनीकी शिक्षा को मिलेगा नया आयाम : डिप्टी स्पीकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जाइट कॉलेज जींद ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए जींद इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) लैब का भव्य उद्घाटन किया गया। यह लैब शेरीटीयर ब्लॉकचैन एंड एआई सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से स्थापित की गई है। जिसका उद्देश्य छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित करना है। उद्घाटन समारोह में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा के प्रतिनिधि रुद्राक्ष मिड्ढा ने फीता काट कर एआई लैब का शुभारंभ किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा किए युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकों से जोडऩे का यह प्रयास न केवल संस्थान के लिए बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश के तकनीकी भविष्य के लिए एक प्रेरणादायी पहल है। कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन अनिल बंसल व मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक बंसल की प्रेरणादायी भूमिका की सभी ने सराहना की। साथ ही कई गणमान्य अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने जिनमें विकास लोहान, अध्यक्ष जिला बार काउंसिल, जींद सुरेंद्र रेढू अधिवक्ता, जिला न्यायालय अमित गर्ग, डायरेक्टर एवं सीईओ, शेरीटीयर ब्लॉकचैन एंड एआई सॉल्यूशन, नेहा मित्तल, कंपनी सेक्रेटरी एवं कंप्लायंस ऑफिसर, मंदीप, एआई ट्रेनर, ए डा. मोनिका कौशिक, विशेषज्ञ नैनो टेक्नोलॉजी, शिव नारायण शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता, वृंदा शर्मा, युवा भाजपा नेत्री, बलजिंदर सिंगला, गौ सेवक, वीनू मक्कड़ एवं इंद्रजीत सेठी, समाजसेवी तथा जाइट कॉलेज जींद के प्रधानाचार्य डा. संतोष कुमारए रजिस्ट्रार, आशीष सिंगला, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर डा. गौरव शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर अरविंद खुराना समस्त स्टाफ सदस्य मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त संस्थान के अनेक छात्र व छात्राएं बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। लैब की स्थापना के माध्यम से जाइट कॉलेज जींद ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह समय की मांग के अनुसार छात्रों को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करने को तत्पर है।

पांच मरीज हुए ठीक, कोरोना फ्री हुआ जींद

■ स्वास्थ्य विभाग ने लिए अबतक कुल 50 सैंपल, केवल पांच मिले हैं कोरोना संक्रमित

■ अस्पताल में बनाए गए कोरोना वार्ड में नही हुआ कोई भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। पुरानी बिल्डिंग के लिए कोरोना सैंपल को लेकर बनाया गया कॉर्नर।

कोरोना संक्रमण को लेकर जींद जिला मुक्त हो गया है। स्वास्थ्य विभाग को पिछले दिनों मिले पांच कोरोना संक्रमितों के उपचार को लेकर स्वास्थ्य टीमों ने लगातार स्वास्थ्य सुधार को लेकर मेहनत की। जिसका नतीजा यह रहा कि सभी पांचों कोरोना संक्रमित पूरी तरह से ठीक हो गए। अबतक स्वास्थ्य विभग ने केवल 50 लोगों के ही कोरोना सैंपल लिए हैं। जिनमें पांच ही कोरोना संक्रमित मिले थे। इनमें से दो ऐसे हैं जो केदारनाथ की यात्रा से लौटे थे। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग अब भी कोरोना संक्रमित परिवारों स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है और अस्पताल में आने वाले संदिग्ध मरीजों की जांच में जुटा है।

जिले में अबतक कोरोना की पहली, दूसरी और तीसरी लहर में संक्रमण 553 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं वर्ष 2024 तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग छह लाख लोगों के सैंपल लिए गए थे और इनमें से 25990 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए थे। वर्ष 2025 में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिए गए 50 सैंपल में केवल पांच ही कोरोना संक्रमित मिले हैं। जोकि अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। ऐसे में जींद जिला कोरोना संक्रमण से पूरी तरह से मुक्त हो चुका है। सीएमओ द्वारा सभी चिकित्सकों को निर्देश जारी किए हैं कि यदि कोई संभावित लक्षण वाला व्यक्ति ओपीडी में आए तो उसकी कोरोना जांच जरूर करवाई जाए। होम आइसोलेशन इंचार्ज डा. संदीप ने बताया कि सभी पांचों कोरोना संक्रमित ठीक हो चुके हैं। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने यह जानकारी दी।

जांच के निर्देश: सीएमओ

सीएमओ डा. सुमन कोहली ने बताया कि चिकित्सकों को कोरोना के संभावित लक्षणों वाले लोगों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। सैंपलों की संख्या बढ़ाई जा रही है। नागरिक अस्पताल में कोरोना वार्ड तैयार है। यहां 10 बेड की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। यदि जरूरत पड़ी तो और बेडों की व्यवस्था भी कर दी जाएगी। फिलहाल जींद जिला कोरोना को लेकर मुक्त हो चुका है।

अब ट्यूबवेल कनेक्शन शिफ्टिंग के लिए किसान को नहीं देना पड़ेगा शुल्क

■ आमजन की सरकार, कांग्रेस के पास नहीं कोई मुद्दा : देवेंद्र अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। जनसमस्याओं को सुनते हुए विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने अपने निवास पर जन समस्याओं को सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश की नॉन.स्टॉप सरकार किसान हित में निरंतर फैसले ले रही है। सीएम नायब सिंह सैनी के नायाब फैसले से किसानों को फायदा होगा। प्रदेश में अब किसान को ट्यूबवेल कनेक्शन एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट 70 मीटर तक करने पर विभाग को कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। जिसके आदेश भी जारी हो चुके है। सरकार का निर्णय सराहनीय है। किसान इस योजना का लाभ उठा सकते है। अत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश पूरे देश में ऐसा प्रदेश है जहां सबसे अधिक फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। आज विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। विपक्ष मुद्दा विहीन हो चुका है। कांग्रेस का 11 सालों से संगठन तक नहीं बना है। नेता विपक्ष का चुनाव आज तक कांग्रेस नहीं कर सकी है। कांग्रेस पार्टी ने सबसे अधिक समय तक केंद्र में राज किया लेकिन कभी किसान हित की योजना नहीं बनाई।

थर्ड डिग्री टार्चर मामला: एसपी की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं एससी आयोग

सीवन थाना में गुमशुदगी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाई गई महिला से पुलिसकर्मियों की ओर से थर्ड डिग्री टॉर्चर करने के आरोप मामले में अधिकारियों से मिले जवाब पर हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग संतुष्ट नहीं है। ऐसे में कैथल पुलिस की मुश्किलें बढती नजर आ रही हैं। इस मामले में सीवन निवासी महिला ममता से मारपीट करने के आरोप में डीसी व एसपी से जवाब मांगा था। अब जवाब से हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग संतुष्ट नहीं है। इसके बाद अब इस मामले में आयोग ने दोनों अधिकारियों को दोबारा मामले में उचित कार्रवाई करते हुए दो दिन में जवाब देने के निर्देश दिए हैं। आयोग के सदस्य रवि तारांवाली ने बताया कि यदि अधिकारियों की ओर से दोबारा भेजे जाने वाले जवाब से हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग संतुष्ट नहीं होता है तो आयोग दोनों या किसी एक अधिकारी को तलब भी कर सकता है। तारांवाली ने कहा कि इस मामले में आयोग उचित कार्रवाई करेगा। महिला की ओर से लगाए गए आरोप गंभीर हैं। यदि एक दलित महिला के साथ थाने में इस प्रकार की बर्बरता हुई है तो यह एक गंभीर मामला है और इसमें आयोग उचित कार्रवाई करेगा।

बादली बलिदान दिवस की तैयारियों को लेकर रोड समाज की बैठक हुई

■ 2 अगस्त को गांव कोल में होगा ऐतिहासिक आयोजन-जितेंद्र टाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी। पूंडरी में आयोजित बैठक में भाग लेते हुए समाज के लोग।

गांव कोल में आगामी 2 अगस्त को आयोजित होने जा रहे बादली बलिदान दिवस को सफल बनाने के उद्देश्य से रोड़ समाज की एक विशेष बैठक पूंडरी में आयोजित की गई। जिसमें सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

जिला पार्षद प्रतिनिधि जितेंद्र टाया व रामपाल कोल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बादली बलिदान दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की गौरवगाथा और वीर शहीदों के त्याग को याद करने का अवसर है। यह दिन हमें हमारी ऐतिहासिक जड़ों से जोड़ता है और भावी पीढ़ी को प्रेरणा देता है। बादली युद्ध को लेकर समाज में लंबे समय से यह मान्यता रही है कि रोड़ समाज के वीर योद्धाओं ने अपनी मातृभूमि, संस्कृति और मान-सम्मान की रक्षा के लिए बादली (दिल्ली) में संघर्ष किया था, जो युद्ध 2 अगस्त 1208 ई. को हुआ था। राजा रोडू और उनके योद्धाओं ने विदेशी आक्रांताओं से मातृभूमि की रक्षा में बलिदान दिया।

दुकान से हजारों के मोबाइल और नकदी चुरा ले गए चोर

■ चोरों ने फिरोजपुर रोड स्थित मोबाइल शॉप को बनाया निशाना।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

फिरोजपुर रोड पर स्थित एक मोबाइल दुकान में शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी की यह वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। चोरों ने मुहं पर कपडा बंधा हुआ था। चोरों ने दुकान का ताला तोडक़र हजारों रुपए के मोबाइल फोन और नकद राशि पर हाथ साफ कर दिया। दुकान के मालिक रोहित ने बताया कि वह रोज की तरह शुक्रवार रात करीब 8 बजे अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह करीब 5 बजे किसी व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उनकी दुकान के ताले टूटे हुए हैं और संभवतः चोरी हुई है। चोर दुकान से करीब 20 स्मार्टफोन, जो कि रिपेयरिंग के लिए कस्टमर द्वारा दिए गए थे, चुरा ले गए। इसके अलावा 6 कीपैड मोबाइल, करीब 10,000 नकद और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान भी चोरी हो गया है। उन्होंने इस बाबत थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

कार्रवाई का दिया आश्वासन

थाना सीवन के प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी से चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में हुई अभिभावक-शिक्षक बैठकें आयोजित

■ ग्रीष्म अवकाश में विद्यार्थियों को दिए गृहकार्य की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। बैठक में भाग लेते हुए अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में बालवाटिका तीन से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। पीटीएम के दौरान ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यार्थियों को दिए गए गृहकार्य को लेकर समीक्षा की गई। वहीं विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों ने मंथन किया। एफएलएन जिला कोऑर्डिनेटर रोजश वशिष्ठ ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में एक जून से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बालवाटिका 3 से कक्षा 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभाग की ओर से निपुण हरियाणा पर आधारित रचनात्मक और व्यवहारिक ग्रीष्मकालीन गृहकार्य प्रदान किया गया था। इस गृहकार्य को इस प्रकार तैयार किया गया था कि विद्यार्थियों को ऐसे अनुभव आधारित कार्यों के अवसर मिले। जिनसे न केवल उन्हें वास्तविक जीवन से जुडऩे का मौका मिला।

मोतीलाल स्कूल में सीनियर सिटीजन के सहयोग से किया पौधरोपण

पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। मोतीलाल स्कूल में सामूहिक पौधारोपण करते हुए। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय ने सीनियर सिटीजन फोरम के सहयोग से भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण संरक्षण को रेखांकित कर विद्यालय के छात्रों, अध्यापकों एवं गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु आयोजित किया गया बल्कि समाज को यह संदेश देने का प्रयास भी किया गया कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में त्रिवेणी (पीपल, बरगद और नीम) के सामूहिक पौधारोपण से हुई। जो भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखती है और पर्यावरण के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

छात्रों को 200 पौधे वितरित किए गए और उन्हें यह शपथ दिलाई गई कि वे न केवल पौधा लगाएंगे बल्कि उसकी देखभाल भी पूरी निष्ठा से करेंगे। पूर्व वीसी डा. एके चावला अध्यक्ष सीनियर सिटीजन फोरम और उनकी धर्मपत्नी एवं वरिष्ठ समाजसेवी ऊषा चावला ने मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यालय की इस पहल की खुले दिल से सराहना करते हुए कहा कि पौधारोपण केवल एक कर्म नही यह एक जिम्मेदारी है जो हमें प्रकृति के प्रति निभानी चाहिए। विद्यालय ने जिस प्रकार समाज को जोड़ते हुए यह आयोजन किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह प्रयास छात्रों के चरित्र निर्माण एवं पर्यावरणीय चेतना को सशक्त करेगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसपी भारद्वाज, बीएम पंवार, सुभाष पाहवा, पीसी जैन भी उपस्थित रहे।

उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि जब युवा पीढ़ी प्रकृति से जुड़ती है तो समाज और राष्ट्र की नींव और अधिक मजबूत होती है। कार्यक्रम का मंच संचालन सुरेंद्र कुमार जी द्वारा किया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 6 जुलाई 2025

विशेष: विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही शहरों की बढ़ती जनसंख्या

कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी

जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

बदलाव / नरेंद्र शर्मा

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्ट: एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्द: अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तार से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतता: एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

सही नहीं हर बात पर साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएं: सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोश: प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है,

वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाश: चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारण: चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियां: वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

गजल
वसीम अहमद

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिका:** अलका सोनी, **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक:** मेधा बुक्स, दिल्ली

प्राचीन-अनूठी बादामी गुफाएं

कर्नाटक राज्य के उत्तरी भाग के बागलकोट जिले में ऐतिहासिक बादामी नगर में स्थित हैं बादामी गुफाएं और मंदिर। इन गुफाओं का न केवल पौराणिक बल्कि ऐतिहासिक महत्व भी है। इन गुफाओं में मौजूद प्रतिमाएं चालुक्य वंश की शिल्पकला का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, जो इतिहासप्रेमी पर्यटकों को मोहित कर लेती हैं।

{ दर्शनीय स्थल / जगत नारायण भारद्वाज }

अगर आप इतिहासप्रेमी पर्यटक हैं तो आपको एक बार कर्नाटक के बादामी नगर में स्थित प्राचीन गुफाओं और मंदिरों को जरूर देखना चाहिए। इन गुफा-मंदिरों में मौजूद प्रतिमाएं, छठी-सातवीं सदी में यहां शासन करने वाले चालुक्य शासकों के दौर की उत्कृष्ट शिल्प कला का प्रमाण प्रस्तुत करती हैं।

पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यता के अनुसार कर्नाटक का बादामी नगर, महाभारतकालीन असुर राजा वातापी की राजधानी हुआ करती थी। पौराणिक काल के विंध्याचल पर्वत के दक्षिण में स्थित इस दंडकवन में अगस्त्य ऋषि और लोपामुद्रा वास किया करते थे। यहीं पर वातापी और इलविल दो भाई अपनी संजीवनी विद्या का दुरुपयोग करके ऋषि-मुनियों को तंग करते और कई बार उन्हें मार भी देते थे। एक बार अंजाने में इन दोनों भाइयों ने अगस्त्य ऋषि पर भी आघात करना चाहा। इस पर अगस्त्य ऋषि ने अपने तपोबल से वातापी को उदरस्थ कर नष्ट कर दिया और दंडक वन को उनके अत्याचारों से मुक्त कर दिया। तभी से इसे अगस्त्य तीर्थ भी कहा जाने लगा।

ऐतिहासिक महत्ता: सन 547-757 तक बादामी नगर, चालुक्यवंशी राजाओं की राजधानी रही है। यहां के पराक्रमी सम्राट पुलकेशिन द्वितीय ने ही उत्तर भारत के सम्राट हर्षवर्धन को पराजित किया था। इसी सम्राट पुलकेशिन के पुत्रों मंगलेश और कीर्तिवर्मन ने यहां के पर्वतों को काटकर गुफा और मंदिरों का निर्माण कराया था। वही प्राचीन गुफाएं और मंदिर, बादामी गुफाओं के नाम से प्रसिद्ध हैं।

मौजूद हैं प्राचीन प्रतिमाएं: यहां प्रमुख रूप से चार गुफाएं हैं। इन 4 गुफाओं में पहली गुफा हिंदू देवी-देवताओं को समर्पित है, जिसे नटराज गुफा कहा जाता है। इसमें अर्धनारीश्वर, हरिहर रूप और 18 भुजाओं वाली नटराज की प्रतिमा है, जो देश में अन्यत्र नहीं है। नटराज की मूल प्रतिमा, जो तमिलनाडु के चिदंबरम में है, में भी 16 हाथ हैं। इस गुफा में एक मूर्ति ऐसी भी है, जिसे एक ओर से ढंकने पर हाथी और एक ओर से ढंकने पर नंदी की प्रतिमा दिखाई देती है। इन गुफाओं की एक विशेषता यह भी है कि यहां पर प्रतिमाओं के साथ ही शिल्पकारों के नामों को भी उकेरकर उन्हें अमर कर दिया गया है।

एक अन्य गुफा भगवान विष्णु को समर्पित है। इस गुफा में भूदेवी के साथ वराह और वामन अवतार की विशाल प्रतिमाएं बनी हैं। समुद्रमंथन, कृष्णलीला और अन्य पौराणिक आख्यानों के दृश्य भी बहुत सुंदरता से इस गुफा में उकेरे गए हैं। गुफाओं के विशाल स्तंभों पर सुंदर और महीन कलात्मक कारीगरी की गई है। ये कलाकारी इतनी मोहक है कि जिन्हें स्थानीय साड़ियों के निर्माता भी ऐसी डिजाइन की साड़ियां बनवाते हैं। गुफा की ऊपरी छत पर ऐसे स्वास्तिक बने हैं, जिनका प्रारंभ और अंत का भी आभास नहीं होता है। आपने शेषनाग पर शयन करते भगवान विष्णु की प्रतिमा तो देखी होगी लेकिन शेषनाग पर विराजित भगवान विष्णु की प्रतिमा आप यहीं पर देख पाएंगे। यहां 578 ईसवी में निर्मित कन्नड़ लिपि में लिखा गया एक शिलालेख भी है। इसमें मंगलेश द्वारा एक गांव को दान में दिए जाने का उल्लेख है। तीसरी गुफा भी भगवान शिव को समर्पित की गई है। जबकि चौथी गुफा में जैन तीर्थंकरों की विशाल मूर्तियां बनी हैं। इसमें भगवान वर्धमान, महावीर, पार्श्वनाथ तथा बाहुबली की सुंदर प्रतिमाएं सुशोभित हैं।

कुछ ऐसे प्रमाण भी मिलते हैं कि चालुक्य वंश के शासकों ने पहले शैव, वैष्णव और फिर जैन पंथ को अपनाया। इसीलिए इन गुफाओं में इनकी प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं। यह प्राचीन काल में धार्मिक समन्वय का सशक्त उदाहरण है। शाम के समय में इन गुफाओं की शोभा देखते ही बनती है। इन गुफाओं के कारण ही बादामी नगर विश्व में प्रसिद्ध हुई है। यह स्थल पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है।

अन्य दर्शनीय स्थल: इन बादामी गुफाओं के नीचे अगस्त्य तालाब के दाहिनी ओर आगे चलने पर खंडहरों के प्रतीक आज भी मिलते हैं। यहां पर अनेक चलचित्रों का फिल्मांकन भी हुआ है। गुफाओं के नीचे आने पर अगस्त्य तालाब के किनारे प्राचीन सूर्य मंदिर है। तालाब के एक कोने पर भगवान शिव को समर्पित द्रविड़ शैली में बना भूतनाथ मंदिर समूह है, जिसे 7वीं सदी में बादामी चालुक्यों द्वारा बनवाया गया था। यहां 12वीं सदी में कल्याणी चालुक्यों द्वारा मल्लिकार्जुन मंदिर समूह का निर्माण कराया गया था। भगवान विष्णु और शिव को समर्पित यह मंदिर भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। इनके निर्माण की शिल्पकला में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है। पास में ही एक भैरव मंदिर है, जिसकी चट्टान पर कई पौराणिक चित्र उकेरे गए हैं। यहीं से चार किमी की दूरी पर बादामी चालुक्यों की कुलदेवी बनशंकरी देवी का मंदिर है, जिसे मां पार्वती का अवतार माना जाता है। इसकी स्थापना अगस्त्य ऋषि ने की थी। मंदिर के पास में ही दर्शनार्थियों के ठहरने की व्यवस्था भी है। यहां गर्मी के मौसम को छोड़कर पूरे वर्ष में कभी भी जाया जा सकता है। *

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अतुल मलिकराम }

फील्ड कोई भी हो, बतौर टीम लीडर काम करने की ख्वाहिश प्राय: सभी को होती है। लेकिन टीम लीडर के रूप में सक्सेसफुल होने के लिए अपने काम में एक्सपर्ट होने के साथ ही आपके अंदर कुछ लीडरशिप क्वालिटीज का होना भी जरूरी है। क्या हैं वो क्वालिटीज, जानिए।

ये क्वालिटीज बनाएंगी सक्सेसफुल टीम लीडर

महात्मा गांधी की इस उक्ति 'आप खुद के भीतर वह बदलाव लाएं, जो आप लोगों में देखना चाहते हैं।' को अच्छे लीडरशिप के सबसे महत्वपूर्ण गुणों में से एक के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है। एक अच्छे लीडर में कुछ मूलभूत गुणों का होना आवश्यक है। आत्मविश्वास, संचार कौशल, दूरदर्शिता, निर्णय क्षमता, ईमानदारी आदि गुणों की अपेक्षा एक टीम लीडर से की जाती है। एक अच्छा लीडर ऐसे निर्णय लेता है, जो उसकी टीम या संगठन के हित में हो।

पॉजिटिव एटिट्यूड: एक टीम लीडर के रूप में जरूरी है कि आप अपना एटिट्यूड हमेशा पॉजिटिव रखें। आप अपने टीम मेंबर्स को आगे बढ़ने में हमेशा मदद करें। आपके डिसिजंस ऐसे होने चाहिए, जिसे आपकी टीम बेझिझक स्वीकार करती हो। एक अच्छे टीम लीडर के रूप में आपको अपनी टीम की हर जरूरत की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही टीम मेंबर्स के हार्ड वर्क और अचीवमेंट्स के लिए उन्हें रिवॉर्ड भी जरूर देना चाहिए। एक टीम लीडर के रूप में विश्वास रखें कि आपकी टीम मजबूत है, यहां हर कोई अपनी भूमिका अच्छे से निभाना जानता है और अपना टार्गेट अचीव करने की क्षमता रखता है।

बढ़ाएं टीम मेंबर्स का हौसला: एक अच्छे टीम लीडर को चाहिए कि वह अपने टीम मेंबर्स को, अपने कुलीग्स को हमेशा मोटिवेट करता रहे। आगे बढ़कर नेतृत्व करने का गुण या सार्थक नेतृत्व हमेशा ही लीडर की परछाई के समान साथ-साथ चलता है। एक लीडर के रूप में आपका पॉजिटिव बिहेवियर और लीडरशिप टीम मेंबर्स को अधिक गहराई से और पूरी तरह से बदलने की ताकत रखता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी टीम अधिक सकारात्मक हो, तो सबसे पहले आपको सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। यदि आप चाहते हैं कि टीम मेंबर्स अपने काम को बिना किसी गलती के बेहतरी से पूरा करें, तो आपको उनके ऊपर विश्वास रखना होगा और उनके भीतर आत्मविश्वास जगाना होगा। उनकी कम्युनिकेशन स्किल्स और अपीयरेंस आदि पर विशेष तौर पर ध्यान दें और बेझिझक उन्हें सही सलाह देते रहें। साथ ही आपको चाहिए कि आप उनकी मदद करें और उनका हौसला बढ़ाते रहें।

स्वयं बनें उदाहरण: अगर आप चाहते हैं कि आपके टीम मेंबर्स समय से कार्यस्थल पर आएं और अपना हर काम समय पर पूरा करें, तो पहले आपको स्वयं समय से पहले या समय से वर्कप्लेस पर आने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें वक्त की पाबंदी के फायदे बताएं। अपना और अपनी सफलता का उदाहरण देकर उन्हें समझाएं। याद रखिए, सफल नेतृत्व के तीन सबसे कारगर सिद्धांत हैं- उदाहरण, उदाहरण और उदाहरण। आप अपनी टीम के लिए कितना बड़ा और प्रभावी उदाहरण बन सकते हैं या पेश कर सकते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। लेकिन यकीन मानिए, आपके ऐसा करने का आपकी टीम पर बहुत पॉजिटिव इफेक्ट पड़ेगा। *

{ चिंता / के.पी. सिंह }

विलुप्ति की कगार पर सोन चिरैया

सोन चिरैया यानी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, भारत के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा रही है। यह पक्षी मुख्य रूप से राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पाए जाते हैं। कभी बहुतायत में पाई जाने वाली सोन चिरैया धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है।

अनोखी शारीरिक संरचना: सोन चिरैया का वैज्ञानिक नाम 'अर्देवोटिस निग्रिसेप्स' है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी नुमा संरचना होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है। यह मानसून के दौरान प्रजनन करती है। नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच जैसी संरचना उभर आती है। नर, मादा को बुलाने के लिए अपने पाउच से एक विशेष किस्म की आवाज निकालता है। सोन चिरैया सुबह और शाम के समय सक्रिय रहती है। दिन के समय यह प्रायः निष्क्रिय रहती है।

अत्यंत संकटग्रस्त: चिंताजनक बात यह है कि गीतों, कविताओं और लोककथाओं की शान रही भारत की यह खास चिड़िया लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई है। आईयूसीएन की रेड डाटा लिस्ट में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है।

लुप्त होने के कारण: सोन चिरैया के लुप्त होने के अनेक कारण हैं। पहले इसका आवास घास के मैदानों और खेतों के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान और खेत कम होने से इसके आवास की समस्या पैदा हो गई है। एक कारण यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों, लोमड़ियों या अन्य पशुओं द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। अपनी कमजोर दृष्टि के कारण ये कांटों, बिजली के तारों आदि में फंसकर मरे जाते हैं।

संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास: सोन चिरैया के संरक्षण के लिए आईयूसीएन, केंद्र एवं राज्यों द्वारा विभिन्न स्तरों पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। मसलन, इसके शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें सुरक्षित आवासों में रखकर प्रजनन करवाया जाता है। इन सबके अलावा एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय के लोग भी सोन चिरैया के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। *

{ लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन }

बेहतर शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। इसीलिए दुनिया भर में लोग अच्छी नींद के लिए तरह-तरह की तरकीबें अपनाते हैं।

अच्छी नींद के लिए अजब-गजब उपाय

कई शोध ऐसे हो चुके हैं, जिनमें अच्छी नींद को मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया गया है। अच्छी नींद के लिए चिकित्साविज्ञानी तरह-तरह के उपाय भी बताते रहे हैं, जैसे अंधेरे कमरे में सोना, ठंडे बेडरूम में सोना, बेड टाइम पर स्क्रीन से दूर रहना, रेग्युलर एक्सरसाइज करना आदि। लेकिन इन सब से हटकर दुनिया के विभिन्न देशों में लोग अच्छी नींद के लिए कुछ अलग तरह के उपायों को भी अपनाते हैं।

सोने से पहले पैर धोना: चीन में अच्छी, लंबी और गहरी नींद के लिए लोग गर्म पानी में पैर डुबोते हैं और एक्सफोलिएशन भी करते हैं। इससे हाइजीन के साथ-साथ ब्लड सर्कुलेशन भी दुरुस्त होता है और ब्लड वेसल्स भी ब्लॉक नहीं होती हैं। पैर गर्म रहने और बॉडी टेंपरेचर कम होने से नींद जल्दी आती है। यहां कुछ लोग फुट मसाज और स्पा ट्रीटमेंट लेते हैं। अरोमाथेरेपी लेते हैं और पैरों में गरम तौलिया भी लपेटते हैं। इससे उनकी दिन भर की थकान दूर हो जाती है और सुकून की नींद आती है।

कपल्स लेते हैं स्लीप डाइवोर्स: अमेरिका में अच्छी नींद के लिए कपल्स स्लीप डाइवोर्स का आइडिया अपनाते हैं। इसके तहत पार्टनर अलग-अलग बेड पर सोते हैं। कई कपल तो अलग-अलग रूम में भी सोते हैं ताकि नींद में खलल न पड़े।

पेट्स के साथ सोना: एक सर्वे के मुताबिक कनाडा के डॉग ऑनर्स में से कम से कम 75 फीसदी लोग अपने कुत्ते के साथ बेडरूम में सोना पसंद करते हैं, जबकि बिल्ली पालने वालों में से कम से कम 50 फीसदी लोग बिल्लियों को साथ लेकर सोते हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके में कम से कम 65 फीसदी लोग अपने पालतू के साथ सोते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि अपने पालतू पशुओं के साथ सोने से अच्छी और बेफिक्र नींद आती है। यूनिवर्सिटी आफ टोरंटो में इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड सैमसंग कहते हैं कि डॉग का साथ इंसान को सुरक्षा का एहसास देता है। यही वजह है कि अपने पेट डॉग के साथ लोग निश्चिंत और बेफिक्र होकर सोते हैं।

तकिए के नीचे डॉल रखकर सोना: ग्वाटेमाला में पुरानी परंपरा है कि लोग अपने तकिए के नीचे एक छोटी-सी डॉल रखकर सोते हैं, जिसका नाम है- वरी डॉल। मान्यता है कि वरी डॉल लोगों की चिंता या डर को दूर करती है। इससे उन्हें काफी कंफर्ट महसूस होता है। कई मनोवैज्ञानिकों और स्लीप एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए अध्ययन में पता चला है कि इन वरी डॉल्स की उपस्थिति से लोगों का एंजायटी लेवल काफी कम हो जाता है, जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है। *

हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मैडी के नाम से पॉपुलर एक्टर आर. माधवन की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' 11 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस अलग-सी रोमांटिक फिल्म को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इसके लिए उन्हें कैसी तैयारियां करनी पड़ीं? इस फिल्म, करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें आर. माधवन से।

मनोरंजन का कामयाब जरिया बन गया है ओटीटी: आर. माधवन

{ मुलाकात / पूजा सामंत }

आर. माधवन हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में समान रूप से एक्टिव हैं। वे एक अच्छे एक्टर होने के साथ-साथ सहज, मिलनसार और डाउन टु अर्थ इंसान भी हैं। वर्ष 2001 में रिलीज 'रहना है तेरे दिल में' बतौर लीड एक्टर माधवन की पहली हिंदी फिल्म थी। हमेशा चुनिंदा फिल्मों में नजर आने वाले माधवन, नेटफ्लिक्स की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' में फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को निर्देशित किया है विवेक सोनी ने। पेश है आर. माधवन से इस फिल्म और करियर पर हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी फिल्म 'आप जैसा कोई' रिलीज हो रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताइए। इस रोमांटिक फिल्म को करने के पीछे क्या वजह रही?

लेखक-निर्देशक विवेक सोनी ने जब मुझे फिल्म की कहानी सुनाई तो मुझे इस प्रेम कहानी का अनोखापन बहुत पसंद आया। प्रेम के रिश्ते में लड़का-लड़की दोनों एक ही लेवल पर होते हैं। न लड़का खुद को ग्रेट समझे, न लड़की। यह इक्कीसवीं सदी की प्रेम कहानी है। बिल्कुल इस दौर की कहानी। प्रेम के रिश्ते में लड़की अगर प्यार की पहल करे तो क्या बुराई है? फिल्म का हीरो यानी मैं संस्कृत सिखाने वाला प्रोफेसर हूं। मेरी शादी 40 की उम्र तक नहीं होती है। मेट्रीमोनियल वेबसाइट पर मेरी मुलाकात एक युवती (फातिमा सना शेख) से होती है, जो काफी मॉडर्न खयालात की है। उसे मेरे घर के लोग मना कर देते हैं। फिर क्या होता है? क्या हमारा रिश्ता आगे बढ़ता है? इसके इर्द-गिर्द फिल्म की कहानी घूमती है। मुझे यह प्लॉट, मेरा किरदार (श्रीरेणु) सब बहुत पसंद आया।

श्रीरेणु का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारियां करनी पड़ीं?

मेरी रियल एज 55 साल है। लेकिन फिल्म में मेरा किरदार श्रीरेणु 40 के आस-पास का है। मुझे अपनी उम्र से 15 वर्ष कम का दिखना था। इसके लिए मैंने जिम जाकर काफी वर्कआउट किया। स्क्रीन पर उम्र कम दिखे इसलिए मुझे अपनी दाढ़ी हटानी पड़ी, क्लीन शेव रखनी पड़ी। हालांकि मैं अपना दाढ़ी वाला लुक बदलना नहीं चाहता था। मेरे लिए यह बड़ा बदलाव था। फिल्म में मेरे कैरेक्टर की साइकोलॉजी को समझना था। कुल मिलाकर मुझे इस कैरेक्टर के लिए खुद को तैयार करने में काफी मेहनत करनी पड़ी।

'आप जैसा कोई' के एक दृश्य में आर. माधवन और फातिमा सना शेख

इस फिल्म में अधेड़ उम्र के पुरुष का प्यार दिखाया गया है। आपकी नजर में क्या समाज ऐसे प्यार को स्वीकार करता है?

समाज का क्या है, वो तो हर कंडीशन में कुछ न कुछ कहता ही रहता है। दंपति में उम्र का फासला ज्यादा हो तो दिक्कत, उम्र एक सी हो दोनों की तो भी कहने वाले कहते रहेंगे, पति-पत्नी की हाइट में बहुत फर्क हो तो भी कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। लेकिन मेरा मानना है कि अब सामाजिक परिवर्तन हो रहा है, स्वीकार्यता बढ़ रही है।

सुना है, 'आप जैसा कोई' फिल्म की शूटिंग के दौरान आप जमशेदपुर स्थित अपने पुश्तैनी घर भी गए थे, कैसा रहा वहां जाने का अनुभव?

जमशेदपुर में मेरा जन्म हुआ था। कई वर्षों तक मेरा वहां जाना नहीं हुआ। जब इस फिल्म की शूटिंग उस इलाके (हुगली) में हो रही थी तो मैं टाइम निकालकर अपने पुश्तैनी घर जमशेदपुर गया। बचपन में जो घर मुझे बहुत बड़ा लगता था, इस बार छोटा नजर आया। जो लोग मेरे पड़ोस में थे, अब उनमें से शायद ही कोई वहां था। मैंने वहां आइसक्रीम, स्वीट्स को एंज्वॉय किया। अपने पुराने घर की ढेर सारी यादों को साथ लेकर मैं वापस आया।

आपने टीवी से डेब्यू किया था। फिर आपने साउथ, हिंदी, अंग्रेजी फिल्मों में काम किया। और अब 'आप जैसा कोई' फिल्म से आप ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री कर रहे हैं। इस बारे में क्या कहना चाहेंगे आप?

सभी जानते हैं, ओटीटी आज के दौर में मनोरंजन का बेहद कामयाब जरिया है। यहां फिल्में भी आती हैं, डॉक्यूमेंटरी सीरीज और वेब सीरीज भी। अब कलाकारों के लिए यह मायने नहीं रखता कि वे किस प्लेटफॉर्म के लिए काम करते हैं। अच्छे मौके आए तो बॉलीवुड क्या, हॉलीवुड क्या, ओटीटी क्या और टीवी क्या? किस माध्यम के लिए मैं कंटेंट बना रहा हूं यह मेकर को अहसास हो, तो वो उस माध्यम का लाभ उठाकर उम्दा कंटेंट दे सकता है। बहरहाल, मैं इस वर्ष बड़े परदे यानी सिनेमा के लिए भी काम कर रहा हूं। 'दे दे प्यार दे 2' और 'धुरंधर' मेरी दो फिल्में इसी वर्ष रिलीज होंगी। *

● मैं ये सब नहीं कर सकता

आर. माधवन इतनी अच्छी एक्टिंग कर लेते हैं लेकिन क्या कुछ ऐसे काम भी हैं, जो वह नहीं कर सकते? पूछने पर वह बताते हैं, 'मैं फूडी हूं, इसलिए डाइटिंग नहीं कर सकता। मुझे आंकड़ों से नफरत है। मैं अपने फाइनेंसियल मैटर्स को मैनेज नहीं कर सकता, मेरी पत्नी सरिता यह काम संभालती हैं। सरिता ने मुझे क्रेडिट कार्ड दे रखा है। मैं अपने जरूरी खर्चे क्रेडिट कार्ड से चला लेता हूं। कैश खोने का डर रहता है। मेरे जितने भी बैंक अकाउंट्स हैं, वो सरिता के नाम पर हैं। मेरी हमसफर के अलावा वो मेरी कैशियर, बैंक मैनेजर भी है।'